License Information

Translation Notes (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Notes, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Notes (unfoldingWord)

इफिसियों 1:1 (#1)

""

"# General Information:\n\n""पौलुस इफिसुस की कलीसिया के (और अन्य स्थानों के) विश्वासियों को अपना नाम इस पत्र के लेखक के रूप में दर्शाता है। जहाँ उल्लेख किया गया है, केवल उसे छोड़कर "तुम""" और """"तम्हारे""" के सभी सन्दर्भ इफिसुस के विश्वासियों तथा अन्य सब विश्वासियों के सन्दर्भ में है इसलिए बहुवचन में हैं।

देखें: 'आप' के रूप

इफिसियों 1:1 (#2)

"पौलुस की ओर से जो" - **"यीशु मसीह का प्रेरित है, उन पवित्र"** - **"जो"**

"आपकी भाषा में पत्र के लेखक और उसके लक्षित पाठकों का परिचय कराने का एक निजी तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं, पौलुस, एक प्रेरित ... इफिसुस में परमेश्वर के पवित्र लोगों को यह पत्र लिखता हूँ"""

इफिसियों 1:1 (#3)

"मसीह यीशु में" - **"में"**

"**मसीह यीशु में** और इसके समान वाली अभिव्यक्तियाँ रूपक हैं जो नए नियम की पत्रियों में बार-बार आती हैं। वे मसीह और उनके बीच विश्वास करने वालों के बीच सबसे मजबूत तरह के संबंध को व्यक्त करती हैं, जो विश्वासियों को मसीह से घिरे होने के रूप में चित्रित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह यीशु के निकट संबंध में""

देखें: रूपक

इफिसियों 1:2 (#1)

"तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे"

यह एक सामान्य अभिवादन और आशीष वचन है जिसका उपयोग पौलुस अधिकतर अपने पत्रों के आरम्भ में करता है। आप अपनी भाषा में ऐसा रूप को काम में ले सकते हैं जिससे ये स्पष्ट हो कि ये शब्द अभिवादन और आशीष वचन है।

इफिसियों 1:3 (#1)

""

"# General Information:\n\n""इस पुस्तक में, जब तक कि अन्यथा टिप्पणी न की जाए, """"हमें""" और """"हम""" शब्द पौलुस, इफिसुस के विश्वासियों, साथ ही साथ सभी विश्वासियों को भी संदर्भित करते हैं।

देखें:

इफिसियों 1:3 (#2)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस अपनी पत्री का आरम्भ परमेश्वर के समक्ष विश्वासियों की स्थिति और उनकी सुरक्षा के बारे में बात करने से करता है।

इफिसियों 1:3 (#3)

"परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह के पिता का धन्यवाद हो कि"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: आओं हम हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता की स्तुति करें""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 1:3 (#4)

"हमारे" - **"हमें"**

"क्योंकि परमेश्वर ने हमें आशीष दी है"

इफिसियों 1:3 (#5)

"उसने" - **"सब प्रकार की आत्मिक आशीष दी है"**

"परमेश्वर के आत्मा से आनेवाली हर आशीष"

इफिसियों 1:3 (#6)

"स्वर्गीय" - **"में"**

"अलौकिक संसार में।" शब्द **स्वर्गीय** उस स्थान को सन्दर्भित करता है जहाँ परमेश्वर है।

इफिसियों 1:3 (#7)

"मसीह में" - "स्थानों"

"सम्भावित अर्थ हैं 1) **मसीह में** यह शब्दावली सामान्य अर्थ में मसीह के साथ हमारे घनिष्ट सम्बन्ध के सन्दर्भ में काम में ली गई है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमें मसीह के साथ जोड़ने के द्वारा"" या ""क्योंकि हम मसीह के साथ जोड़े गए हैं"" या 2) **मसीह में** वाक्यांश यह संदर्भित करता है कि मसीह ने क्या किया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह के द्वारा"" या ""मसीह ने जो किया उसके द्वारा"" (देखे:[[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])"

देखें: रूपक

इफिसियों 1:4 (#1)

"पवित्र और निर्दोष हों"

पौलुस नैतिक अच्छाई पर जोर देने के लिए इन दो समान शब्दों का उपयोग करता है। यदि आपकी भाषा में दो एक से शब्द नहीं हैं तो आप दोनों के लिए एक ही शब्द का उपयोग कर सकते हैं, जैसे यूएसटी में किया गया है।

देखें: युग्म

इफिसियों 1:4 (#2)

"निर्दोष हों"

शब्द **निर्दोष** में दो नकारात्मक विचार निहित हैं: "दोष" और "त्रुटी।" अत: यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट है तो इन दो नकारात्मक विचारों के स्थान में समरूप सकारात्मक विचार "सिद्ध" के साथ व्यक्त किये जा सकते हैं।

देखें: दोहरे नकारात्मक

इफिसियों 1:5 (#1)

""

"# General Information:\n\n""उसके,""""वह""""" और """"वह""""" शब्द परमेश्वर को सन्दर्भित करते हैं।"""

इफिसियों 1:5 (#2)

"हमें अपने लिये पहले से ठहराया कि" - "हम" - "लेपालक पुत्र हों"

"शब्द **हम** पौलुस, इफिसुस की कलीसिया और सभी विश्वासियों को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने हमें अपनाने के लिए बहुत पहले योजना बनाई""

देखें:

इफिसियों 1:5 (#3)

"हमें" - "पहले से ठहराया कि"

""परमेश्वर ने हमें समय से पहले चुना या" परमेश्वर ने हमें बहुत पहले चुना"""

इफिसियों 1:5 (#4)

"अपने लिये" - "हम" - "लेपालक पुत्र हों"

"**लेपालक** यहाँ परमेश्वर के परिवार का हिस्सा बनने के लिए एक रूपक है। यहाँ शब्द ""पुत्र"" का तात्पर्य पुरुषों और स्त्रियों से है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उसकी संतान हो जाना""

देखें: रूपक

इफिसियों 1:5 (#5)

"यीशु मसीह के द्वारा"

परमेश्वर ने मसीह के काम के द्वारा विश्वासियों को अपने परिवार में ले लिया था।

इफिसियों 1:6 (#1)

"उसने हमें अपने प्रिय" - "द्वारा दिया"

"वह जिससे उसने प्रेम किया उसके द्वारा उसने हमे दयापूर्वक दिया"

इफिसियों 1:6 (#2)

"अपने प्रिय"

""जिससे वह प्रेम करता है, यीशु मसीह" या ""उसका पुत्र जिससे वह प्रेम करता है।"""

इफिसियों 1:7 (#1)

"उसके लहू के द्वारा"

यीशु का **लहू** उसकी मृत्यु के लिए लाक्षणिक प्रयोग है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वह मर गया"

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 1:7 (#2)

"परमेश्वर के उस अनुग्रह के धन"

पौलुस परमेश्वर के अनुग्रह के बारे में इस प्रकार चर्चा करता है कि जैसे वह भौतिक धन है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के अनुग्रह की महानता" या "परमेश्वर के अनुग्रह की विपुलता"

देखें: रूपक

इफिसियों 1:8 (#1)

"जिसे उसने" - "हम" - "बहुतायत से किया"

""उसने हमें दया का यह महान धन दे दिया" या ""वह हम पर अत्याधिक दयावान था""

इफिसियों 1:8 (#2)

"सारे ज्ञान और समझ सहित" - "पर"

"संभावित अर्थ हैं (1) ""क्योंकि उसके पास सारी बुद्धि और समझ है"" (2) ""ताकि हमारे पास बहुत बुद्धि और समझ हो"""

इफिसियों 1:8 (#3)

"ज्ञान और समझ सहित"

बुद्धि और **समझ** के तात्पर्य अत्यधिक समानार्थक हैं। यदि आपकी भाषा में दो समानार्थक शब्द नहीं हैं, तो आप दोनों के लिए एक ही शब्द काम में ले सकते हैं।

देखें: युग्म

इफिसियों 1:9 (#1)

"अपने भले अभिप्राय के अनुसार"

"संभावित अर्थ हैं: (1)""क्योंकि वह इसे हमसे परिचित कराना चाहता था "" या (2) ""जो वह चाहता था।"""

इफिसियों 1:9 (#2)

"उसने" - "जिसे" - "अपने आप में ठान लिया था"

"उसने मसीह में इस उद्देश्य का प्रदर्शन किया"

इफिसियों 1:9 (#3)

"अपने आप में"

"मसीह के द्वारा"

इफिसियों 1:10 (#1)

"कि परमेश्वर की योजना"

"यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने प्रबन्धन के विचार से ऐसा किया या" ""एक भंडारीपन के बारे में सोचकर, उसने ऐसा किया।"""

इफिसियों 1:10 (#2)

"के अनुसार, समय की पूर्ति होने पर"

""जब समय सही है" या ""उस समय पर जिसे उसने नियुक्त किया है"""

इफिसियों 1:10 (#3)

"वह"

"उसके शासनाधीन" या "उसके अधिकार के अधीन"

इफिसियों 1:11 (#1)

"पहले से ठहराए जाकर विरासत बने"

"इस पद में ये सर्वनाम **हम** और **हम** समावेशी हैं। पौलुस उन सब विश्वासियों के सन्दर्भ में कह रहा है जो मसीह के होने के लिए पूर्वनियत हैं। पद 12 और 13 में वह इस समूह को ""हम"" (विशिष्ट), यहूदी विश्वासी और ""तुम"" अन्यजाति विश्वासी में विभाजित कर देगा।

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

इफिसियों 1:11 (#2)

"विरासत बने"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: (1) ""परमेश्वर ने भी हमें अपनी सम्पत्ति होने के लिए चुना"" या (2) परमेश्वर ने हमें अपना उत्तराधिकारी बनाने के लिए चुना।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 1:11 (#3)

"पहले से ठहराए जाकर"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने हमें समय से पहले चुना"" या ""परमेश्वर ने हमें बहुत पहले चुना""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 1:12 (#1)

"हम जिन्होंने पहले से मसीह पर आशा रखी थी"

यहाँ भी शब्द **हम** विशिष्ट है और उन यहूदी विश्वसियों के सन्दर्भ में है जिन्होंने सबसे पहले सुसमाचार सुना था, न कि इफिसुस के विश्वासी।

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

इफिसियों 1:12 (#2)

"कि हम" - "उसकी महिमा की स्तुति का कारण हों"

"ताकि हम ... उसकी महिमा के निमित्त उसकी स्तुति करने के लिए जीएँ"

इफिसियों 1:13 (#1)

""

General Information:\n\nपौलुस पहले दो पदों में अपने और अन्य यहूदी विश्वासियों के बारे में बोलता रहा है, लेकिन अब वह इफिसुस के विश्वासियों के बारे में बोलना शुरू करता है।

इफिसियों 1:13 (#2)

"सत्य का वचन"

"संभावित अर्थ हैं (1) ""सत्य के बारे में संदेश"" या (2) ""एक सच्चा संदेश।"""

इफिसियों 1:13 (#3)

"प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी"

"इस रूपक में पौलुस एक मोहर के रूप में पवित्र आत्मा की कल्पना करता है, और उसकी तुलना उस लाख से करता है जिसे पत्र पर लगा कर पत्र लिखने वाले के प्रतीक की छाप लगा दी जाती थी। पौलुस इस प्रथा को एक उपमा के चित्र को दिखाने के लिए काम में लेता है, यह दर्शाने के लिए कि परमेश्वर ने हमें आश्वस्त करने के लिए पवित्र आत्मा का उपयोग किया है कि हम उससे संबंधित है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने पवित्र आत्मा को रखा है जिसका उसने वादा किया था जैसे कि वह मानो तुम एक छाप था""

देखें: रूपक

इफिसियों 1:13 (#4)

"छाप लगी"

इस को कर्ताप्रधान रूप में भी व्यक्त किया जा सकता है: वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने तुम पर छाप लगा दी है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 1:14 (#1)

"हमारी विरासत का बयाना है, कि"

"परमेश्वर के वादे को प्राप्त करने के बारे में ऐसे बताया गया है जैसे कि कोई अपने परिवार के किसी सदस्य से कोई सम्पत्ति या धन विरासत में प्राप्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""एक आरम्भिक हिस्सा कि परमेश्वर ने हमसे जो प्रतिज्ञा की है उसका हम एक आरंभिक अंश प्राप्त करते हैं"" या ""एक गारंटी है कि हमें वह मिलेगा जिसे परमेश्वर ने हमें देने का वादा किया है""

देखें: रूपक

इफिसियों 1:15 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस इफिसुस के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करता है और मसीह के द्वारा विश्वासियों को जो सामर्थ्य प्राप्त है उसके लिए वह परमेश्वर की स्तुति करता है।

इफिसियों 1:15 (#2)

"इस कारण"

यह संयोजक वाक्यांश **इस कारण** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण तो यह है कि इफिसुस के विश्वासियों ने सुसमाचार पर विश्वास किया और पवित्र आत्मा की मोहर उन पर लगाईं गई है। परिणाम यह है कि पौलुस परमेश्वर की स्तुति करता है। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति का उपयोग करें जो परिणाम के साथ कारण के साथ सम्पर्क स्थापित करती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 1:16 (#1)

"परमेश्वर का धन्यवाद करना नहीं छोड़ता"

"पौलुस जोर देने के लिए इस उक्ति **नहीं छोड़ता** का उपयोग करता है कि प्रकट हो कि वह परमेश्वर का धन्यवाद करना जारी रखता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता रहता हूँ""

देखें: अल्पोक्ति

इफिसियों 1:16 (#2)

"परमेश्वर का धन्यवाद करना नहीं छोड़ता"

पौलुस इस अतिशयोक्ति का उपयोग इस तथ्य पर बल देने के लिए करता है कि वह अधिकतर प्रार्थना ही किया करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर को अक्सर धन्यवाद देता हूँ"

देखें: अतिशयोक्ति

इफिसियों 1:17 (#1)

"कि"

यह संयोजक उक्ति **जिससे कि** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि पौलस इफिसुस के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करता है। परिणाम यह है कि परमेश्वर इफिसुस के विश्वासियों को उन सब उपकारों के लिए आलोकित करे जो उसने मसीह के द्वारा उन पर किये हैं। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति का उपयोग करें जो परिणाम के साथ कारण को जोड़ दे।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 1:17 (#2)

"बुद्धि की आत्मा और अपने ज्ञान का प्रकाश"

"उसके प्रकाशन को समझने हेतु आत्मिक ज्ञान"

इफिसियों 1:18 (#1)

"और" - "मन की आँखें ज्योतिर्मय हों कि"

"यहाँ **मन** मनुष्य की मनोवृत्ति या मानसिकता के लिए एक लाक्षणिक प्रयोग है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि तुम्हें समझ प्राप्त हो""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 1:18 (#2)

"और" - "मन की आँखें ज्योतिर्मय हों कि"

"इसे कर्ताप्रधान वाक्य में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि परमेश्वर तुम्हारे मन में आत्मिक ज्ञानोदय करे"" या ""कि परमेश्वर तुम्हारी समझ को ग्यानोदीप्त करे""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 1:18 (#3)

"और" - "मन की आँखें"

उक्ति **तुम्हारे मन की आँखें," मनुष्य की समझ प्राप्ति के लिए एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि तुम समझ प्राप्त करो और ज्ञानोदीप्त हो जाओ"

देखें: रूपक

इफिसियों 1:18 (#4)

"ज्योतिर्मय हों कि"

"तुम्हें दिखाया"

इफिसियों 1:18 (#5)

"हमारे बुलाहट की"

परमेश्वर की **बुलाहट** का सन्दर्भ उसमें विश्वास हेतु मनुष्यों के चुने जाने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो तुम्हारे पास है उसका कारण यह है कि उसने तुम को अपनी प्रजा होने के लिए चुन लिया है।"

इफिसियों 1:18 (#6)

"और" - "विरासत की"

परमेश्वर ने जो वादा विश्वासियों से किया है उसे प्राप्त करने को ऐसे बताया गया है जैसे कि कोई अपने परिवार के किसी सदस्य से कोई सम्पत्ति या धन को विरासत में प्राप्त कर रहा हो।

देखें: रूपक

इफिसियों 1:18 (#7)

"पवित्र लोगों में" - "का"

""जिन्हें उसने अपने लिए अलग कर लिया है" या "वे जो पूरी तरह से उसके हैं""

इफिसियों 1:19 (#1)

"उसकी सामर्थ्य" - "कितनी महान है"

"परमेश्वर की सामर्थ्य, जो अन्य सभी सामर्थ्य से परे है"

इफिसियों 1:19 (#2)

"हमारी ओर" - "विश्वास करते हैं"

"हमारे लिए जो विश्वास करते हैं"

इफिसियों 1:19 (#3)

"उसकी शक्ति के प्रभाव के उस कार्य"

"उसकी महान सामर्थ्य जो हमारे लिए काम कर रही है"

इफिसियों 1:19 (#4)

"उसकी शक्ति के प्रभाव के उस"

बल और **शक्ति** ये दोनों शब्द समानार्थक हैं और संयोजित किये जा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी महान सामर्थ्य"

देखें: युग्म

इफिसियों 1:20 (#1)

"उसको मरे हुओं में से जिलाकर"

"जब उसने उसे फिर से जीवित कर दिया"

इफिसियों 1:20 (#2)

"मरे हुओं में से"

उन सभी लोगों में से जो मर गए हैं। यह अभिव्यक्ति अधोलोक में सभी मृत लोगों को एक साथ व्यक्त करती है। उन में से वापस आना, फिर से जी उठने को दर्शाता है।

देखें: नाम विशेषण

इफिसियों 1:20 (#3)

"उसने" - "किया, कि" - "स्वर्गीय स्थानों में अपनी दाहिनी ओर"

"जो व्यक्ति राजा के ""दाहिने हाथ"" बैठता है, वह राजा के दाईं ओर बैठता है और राजा के सम्पूर्ण अधिकार के साथ शासन करता है जिसके दाहिने हाथ या पार्श्व में वह बैठता है। यह उस स्थान के लिए लाक्षणिक रूप है जो उस स्थान में उपस्थित व्यक्ति के अधिकार का प्रतिनिधित्व दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उसे पूरा अधिकार दिया कि वह स्वर्ग से शासन करे""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 1:20 (#4)

"अपनी दाहिनी ओर"

"परमेश्वर के ""दाहिने हाथ"" पर बैठना परमेश्वर से महान सम्मान और अधिकार प्राप्त करने का एक प्रतीकात्मक कार्य है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु को परमेश्वर के साथ सम्मान और अधिकार के स्थान पर बैठाया गया""

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

इफिसियों 1:20 (#5)

"उसने" - "किया, कि" - "स्वर्गीय स्थानों में"

""“अलौकिक संसार मे।” यहाँ शब्द ""स्वर्गीय"" उस स्थान को सन्दर्भित करता है जहाँ परमेश्वर है। देखें कि आपने इसका अनुवाद इफिसियों 1:3 में कैसे किया गया है।"

इफिसियों 1:21 (#1)

"सब प्रकार की प्रधानता, और अधिकार, और सामर्थ्य, और प्रभुता के," - "ऊपर" - "भी"

"ये सब शब्द अलौकिक प्राणियों की पदवियों के लिए हैं चाहे वे स्वर्गदूत हों या शैतानी शक्तियाँ हों। यदि आपकी भाषा में शासकों और अधिकारों के लिए चार अलग अलग शब्द नहीं हैं तो आप उन्हें संयोजित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""सब प्रकार के अलौकिक प्राणियों से बहुत ऊपर""

देखें: युग्म

इफिसियों 1:21 (#2)

"हर एक नाम के" - "लिया जाएगा"

"इसे कर्ता प्रधान रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: सम्भावित अर्थ हैं (1) ""प्रत्येक नाम जो मनुष्य देता है"" या (2) ""हर एक नाम जो परमेश्वर देता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 1:21 (#3)

"नाम के"

संभावित अर्थ हैं (1) पदवी या (2) अधिकार की स्थिति।

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 1:21 (#4)

"जो" - "इस लोक में"

“इस समय”

इफिसियों 1:21 (#5)

"आनेवाले लोक में"

“भविष्य में”

इफिसियों 1:22 (#1)

"सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया" - "ठहराकर"

"यहाँ शब्द **पाँव** मसीह की प्रभुता, अधिकार और सामर्थ्य को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद:"" सब कुछ मसीह के सामर्थ्य के आधीन कर दिया”

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 1:22 (#2)

"सब वस्तुओं पर शिरोमणि"

"यहाँ शब्द **सिर** अगुवे या प्रभारी के सन्दर्भ में एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""सभी चीजों पर शासक""

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 1:23 (#1)

"यह उसकी देह"

जिस प्रकार की मानवीय देह में सब कामों को सिर (पद 22) नियंत्रित करता है, ठीक उसी प्रकार मसीह देह रुपी कलीसिया का सिर है।

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 1:23 (#2)

"और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है"

“मसीह कलीसिया को अपने जीवन एवं सामर्थ्य से वैसे ही भर देता है जैसे कि वह सब को जीवन देता है”

इफिसियों 1:23 (#3)

"और उसी की परिपूर्णता है"

इसका अर्थ या तो (1) कर्मवाच्य भावार्थ हो सकता है अर्थात, मसीह कलीसिया को भरता या पूर्ण करता है या (2) कृतवाच्य हो सकता है अर्थात, कलीसिया मसीह की परिपूरक है (जैसे देह सिर की परिपूरक है)।

इफिसियों 2:1 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस विश्वासियों को उनके अतीत का और जिस तरह से वे अब परमेश्वर के सामने हैं उसका स्मरण कराता है।

इफिसियों 2:1 (#2)

"उसने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे"

"यह प्रकट करता है कि पापी मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानने में कैसे असमर्थ हैं, जैसे कोई मृतक शारीरिक प्रतिक्रिया दिखाने में असमर्थ में होता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तूम आत्मिक रूप से मृत थे, पाप को छोड़कर बस कुछ करने में असमर्थ थे""

देखें: रूपक

इफिसियों 2:1 (#3)

"अपने अपराधों और पापों के कारण"

अपराधों और **पापों** शब्दों के अर्थ समान हैं। लोगों के अत्यधिक पापों पर जोर देने के लिए पौलुस दोनों शब्दों का उपयोग साथ साथ करता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए एक ही शब्द है तो उनको संयोजित किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे अनेक पापों"

देखें: युग्म

इफिसियों 2:1 (#4)

"अपने अपराधों और पापों के कारण"

अपराधों और **पापों** ये शब्द भाववाचक संज्ञा हैं जो काम का होना दर्शाते हैं। यदि आपके लिये विशेषण शब्द या क्रिया शब्द भाव को अधिक स्पष्ट करते हैं तो आप उनको काम में ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे पापी काम जो तुमने किये" या "परमेश्वर के विरुद्ध सदैव पाप करते रहे हो"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 2:2 (#1)

"जिनमें तुम पहले" - "चलते थे," - "में"

"चलना" मनुष्य के जीवन-आचरण के लिए प्रयुक्त एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: इसी प्रकार तुम जी रहे थे" या " यही तुम व्यवहार करते थे"

देखें: रूपक

इफिसियों 2:2 (#2)

"इस संसार की" - "जो"

प्रेरितों ने इस **संसार** में रहने वाले मनुष्यों के स्वार्थी स्वभावों और भ्रष्ट मान्यताओं का संदर्भ देने के लिए प्राय: शब्द **संसार** का उपयोग किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "संसार के मनुष्यों की मान्यताओं के अनुसार" या "इस वर्तमान संसार के सिद्धान्तों का अनुसरण करते हुए"

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 2:2 (#3)

"और आकाश के अधिकार के अधिपति" - "उस"

यह दुष्टात्मा या शैतान के सन्दर्भ में है।

इफिसियों 2:2 (#4)

"अर्थात्" - "आत्मा के अनुसार" - "अब भी" - "कार्य करता"

"शैतान की आत्मा, जो वर्तमान में काम कर रही है"

इफिसियों 2:2 (#5)

"आज्ञा न माननेवालों" - "है"

"मनुष्य जिनका नियमित अभ्यास परमेश्वर की अवज्ञा करना है"

देखें: मुहावरा

इफिसियों 2:3 (#1)

"शरीर, और मन की मनसाएँ" - "के"

शरीर और **मन** शब्द पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य जो स्वार्थी कामों को करना चाहते हैं"

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 2:3 (#2)

"क्रोध" - "सन्तान थे"

"मनुष्य जिनसे परमेश्वर क्रोधित है"

देखें: मुहावरा

इफिसियों 2:4 (#1)

"परन्तु"

परन्तु एक संयोजक शब्द है जो विषम सम्बन्ध को परिचित कराता है। परमेश्वर का प्रेम और उसकी दया इफिसुस के विश्वासियों के पूर्वकालिक दुराचारी जीवन के भेद निरूपण को परिचित कराता हैं जिन्होंने परमेश्वर में विश्वास किया था।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 2:4 (#2)

"परमेश्वर ने" - "दया का धनी है"

"शब्द "दया" भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर दया का धनी है"" या "परमेश्वर की दया अपरम्पार है" (देखें: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-abstractnouns]])"

इफिसियों 2:4 (#3)

"अपने उस बड़े प्रेम के कारण जिससे उसने हम से प्रेम किया"

प्रेम भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उसने हमसे इतना अधिक प्रेम किया"

इफिसियों 2:5 (#1)

"अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने अनुग्रहकारी होते हुए तुम्हारा उद्धार किया है।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 2:5 (#2)

"अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है"

अनुग्रह भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने अत्यधिक दयालु होते हुए तुम्हारा उद्धार किया है" या "परमेश्वर ने मुफ्त वरदान स्वरुप तुम्हारा उद्धार किया है"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 2:6 (#1)

"उसके साथ उठाया"

जी उठाना यहाँ किसी मरे हुए व्यक्ति का फिर से जीवित हो जाने का कारण होने के लिए यह एक मुहावरा है।

देखें: मुहावरा

इफिसियों 2:6 (#2)

"उसके साथ उठाया"

संभावित अर्थ हैं (1) क्योंकि परमेश्वर ने मसीह को पुन: जीवित कर दिया, इसलिए परमेश्वर ने पौलुस और इफिसुस के विश्वासियों को आत्मिक नवजीवन प्रदान किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने ही इफिसियों को नवजीवन प्रदान किया है क्योंकि हम मसीह के हैं" या (2) क्योंकि परमेश्वर ने मसीह को पुन: जीवित कर दिया है, इसलिए इफिसुस के विश्वासी मान सकते हैं कि मरणोपरांत वे मसीह के साथ वास करेंगे, \nऔर पौलुस विश्वासियों के लिए कह सकता है कि वे पुनर्जीवित हैं जैसे कि ऐसा हो चुका है। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें पूरा विश्वास हो कि परमेश्वर हमें वैसे ही जीवित करेगा जैसे उसने मसीह को पुन: जीवित हो जाने का कारण उत्पन्न किया"

देखें: पूर्वसूचक भूतकाल

इफिसियों 2:6 (#3)

"उसके साथ बैठाया"

पौलुस विश्वासियों के विषय इस प्रकार कहता है कि जैसे वे मसीह के साथ स्वर्ग में विराजमान हैं। यद्यपि यह एक भावी घटना है, तथापि इसकी गारंटी मसीह के अतीत में किए गए कार्य द्वारा दी गई है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह ऐसा है जैसे कि मानो परमेश्वर ने हमें मसीह के पार्श्व में बैठा दिया है"

देखें: पूर्वसूचक भूतकाल

इफिसियों 2:6 (#4)

"स्वर्गीय स्थानों में"

“अलौकिक संसार में” यहाँ शब्द **स्वर्गीय** उस स्थान को सन्दर्भित करता है जहाँ परमेश्वर है। देखें कि इसका अनुवाद इफिसियों 1:3 में कैसे किया गया है।

इफिसियों 2:6 (#5)

"मसीह यीशु में"

मसीह यीशु में और इसके समान अन्य सब अभिव्यक्तियाँ रूपक हैं जो नए नियम की पत्रियों में बार-बार आती हैं। वे मसीह और उस पर विश्वास करने वालों के बीच यथासंभव दृढ संबंध को व्यक्त करती हैं।

इफिसियों 2:7 (#1)

"कि"

संयोजक उक्ति **जिससे कि** एक लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। विश्वासियों को उठा कर स्वर्ग में मसीह के साथ बैठाने में परमेश्वर का उद्देश्य मसीह में उसके अनुग्रह के विस्तार को दर्शाना है।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 2:7 (#2)

"उस" - "हम पर है, आनेवाले समयों में"

“भविष्य में”

इफिसियों 2:8 (#1)

"क्योंकि"

इसलिए यह संयोजक शब्द कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि इफिसुस के विश्वासियों का उद्धार परमेश्वर से हुआ है, न कि उनके भले कामों से। परिणाम यह है कि मनुष्य देखें कि हमें मसीह में अनुग्रह प्राप्त है। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोडती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 2:8 (#2)

"क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में अनुवाद किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उस में तुम्हारे विश्वास के कारण परमेश्वर ने अनुग्रह से तुम्हारा उद्धार किया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 2:8 (#3)

"क्योंकि" - "अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है"

अनुग्रह भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने मुफ्त वरदान स्वरुप तुम्हारा उद्धार किया है” या “परमेश्वर ने तुम्हारे लिए अपनी अपरम्पार दया के कारण तुम्हारा उद्धार किया है” देखें कि आपने इसका अनुवाद इफिसियों 2:5 में कैसे किया है। (देखें [[rc://hi/ta/man/translate/figs-abstractnouns]])

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 2:8 (#4)

"यह"

यह शब्द **विश्वास के द्वारा अनुग्रह से तुम्हारा उद्धार हुआ है** को संदर्भित करता है।

इफिसियों 2:9 (#1)

"और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे"

"आप यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ करना चाहेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “उद्धार कार्यों द्वारा नहीं होता है ताकि कोई घमंड न करे” या “परमेश्वर किसी व्यक्ति को उसके कामों के कारण नहीं बचाता, इसलिए कोई घमंड करके यह नहीं कह सकता है कि उसने अपना उद्धार अर्जित किया है""

इफिसियों 2:9 (#2)

"ऐसा" - "हो कि"

यह संयोजक उक्ति, **जिससे कि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। कर्मों से अनुग्रह द्वारा विश्वासियों के उद्धार में परमेश्वर का लक्ष्य या उद्देश्य यह है ताकि कोई भी घमंड न करने पाए।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 2:10 (#1)

"क्योंकि"

यह संयोजक शब्द, **इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि परमेश्वर ही है जिसने हमें रचा ताकि हम भले काम करें। परिणाम यह है कि मनुष्य घमंड न करने पाए। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति का उपयोग करें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 2:10 (#2)

"मसीह यीशु में"

मसीह यीशु में और इसके समान अन्य सब अभिव्यक्तियाँ रूपक हैं जो नए नियम की पत्रियों में बार-बार आती हैं। वे मसीह और उस पर विश्वास करने वालों के बीच सबसे मजबूत संबंध को व्यक्त करती हैं।

इफिसियों 2:10 (#3)

"जिन्हें"

यह संयोजक उक्ति, **जिससे कि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। हमें रचने में, जैसा उसने किया है, परमेश्वर का लक्ष्य या उद्देश्य है कि हम उन भले कामों को करें जो हमारे करने के लिए उसकी इच्छा में हैं।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 2:10 (#4)

"हमारे करने के लिये"

"मार्ग में चलना एक मुहावरा है जो मनुष्य की जीवन शैली के लिए काम में लिया जाता है। यहाँ **उनमें** का अर्थ **भले कामों** से है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हम हमेशा और लगातार उन भले कामों को करें""

देखें: रूपक

इफिसियों 2:11 (#1)

"इस कारण"

यहाँ **इसलिए** एक संयोजक शब्द है जो कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि वे परमेश्वर द्वारा उद्धार पाए थे न कि उनके द्वारा किये गए किसी भी कर्मों से। परिणाम यह है कि इफिसुस के विश्वासियों को स्मरण रखना है कि वे कभी परमेश्वर से पृथक थे। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति को काम में लें जो कारण को परिणाम से जोडती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 2:11 (#2)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस इन विश्वासियों को याद दिलाता है कि अब परमेश्वर ने अन्यजातियों और यहूदियों को मसीह और उसके क्रूस के द्वारा एक देह बना दिया है।

इफिसियों 2:11 (#3)

"जो शारीरिक रीति से अन्यजाति हो"

यह उन लोगों को सन्दर्भित करता है, जो जन्म से यहूदी नहीं थे।

देखें: रूपक

इफिसियों 2:11 (#4)

"खतनारहित"

"गैर-यहूदियों का शिशु अवस्था में खतना नहीं किया गया था, इसलिए यहूदी उन लोगों को परमेश्वर के किसी भी नियम का पालन करने वाले नहीं मानते थे। वैकल्पिक अनुवाद: "खतनारहित अन्यजाति""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 2:11 (#5)

"खतनावाले"

"यहूदी लोगों के लिए यह एक और संबोधन शब्द था क्योंकि उनके सभी नर शिशुओं का खतना किया गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "खतना किए गए लोग""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 2:11 (#6)

"वे तुम को" - "कहते हैं"

इसका अनुवाद कर्ताप्रधान रूप में किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके द्वारा मनुष्य पुकारते हैं" या "उनके द्वारा जिन्हें मनुष्य पुकारते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 2:11 (#7)

"शरीर में हाथ के किए हुए खतनावाले" - "वे" - "कहते हैं"

"सम्भावित अर्थ हैं (1)"यहूदी जो मनुष्यों द्वारा खतना किए गए हैं"" या (2) ""यहूदी, जो भौतिक शरीर का खतना करते है।""""

इफिसियों 2:12 (#1)

""

यह संयोजक शब्द,**इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि वे यहूदियों का भाग नहीं थे, जिनका खतना किया गया था। परिणाम यह है कि अन्यजाति इफिसुसवासी परमेश्वर से पृथक थे। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति का प्रयोग करें जो कारण को परिणाम से जोडती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 2:12 (#2)

"मसीह से अलग" - "और"

"अविश्वासी"

इफिसियों 2:12 (#3)

"और प्रतिज्ञा की वाचाओं के भागी न थे"

पौलुस अन्यजातियों के विश्वासियों से ऐसे बात करता है जैसे कि वे परदेशी थे, जिनको परमेश्वर की वाचा और प्रतिज्ञा के देश से बाहर रखा गया था।

देखें: रूपक

इफिसियों 2:13 (#1)

"पर"

यहाँ संयोजक शब्द **परन्तु** सम्बन्ध में विषमता को दर्शाता है। मसीह में विश्वास करने के बाद इफिसुस के अन्यजाति विश्वासियों की वर्तमान स्थिति परमेश्वर की निकटता है। यह विषमता उनकी पहले की स्थिति के विपरित है जब वे मसीह में विश्वास करने से पूर्व, परमेश्वर से पृथक थे।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 2:13 (#2)

"तुम जो पहले दूर थे, मसीह के लहू के द्वारा निकट हो गए हो"

"पाप के कारण परमेश्वर से सम्बन्धित न होने को ऐसा कहा गया है जैसे कि परमेश्वर से बहुत दूर होना। मसीह के लहू के द्वारा परमेश्वर के हो जाने को ऐसा कहा गया है जैसे परमेश्वर के निकट लाए गए। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम जो पहले परमेश्वर के नहीं थे अब मसीह के लहू के द्वारा परमेश्वर के हो गए हो""

देखें: रूपक

इफिसियों 2:13 (#3)

"मसीह के लहू के द्वारा"

"मसीह का लहू उसकी मृत्यु के लिए लाक्षणिक उक्ति है। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह की मृत्यु द्वारा"" या ""जब मसीह हमारे लिए मरा""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 2:14 (#1)

"क्योंकि"

यह संयोजक शब्द, **इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि मसीह ने स्वयं उनको यहूदी विश्वासियों के साथ जोड़ दिया है। परिणाम यह है कि इफिसुस के अन्यजाति विश्वासी परमेश्वर के निकट लाए गए हैं। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति को काम में लें जो कारण को परिणाम से जोडती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 2:14 (#2)

"वही हमारा मेल है"

"यीशु हमें अपनी शान्ति देता है"

इफिसियों 2:14 (#3)

"हमारा मेल"

शब्द **हमारा** पौलुस और उसके पाठकों को संदर्भित करता है, इसलिए यह शब्द समावेशी है।

देखें:

इफिसियों 2:14 (#4)

"एक कर दिया"

“जिसने यहूदियों और अन्यजातियों को एक कर दिया”

इफिसियों 2:14 (#5)

""

"**उसकी देह,** उसका भौतिक शरीर, उसके मर जाने के लिए एक लाक्षणिक प्रयोग है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्रूस पर उसके शरीर की मृत्यु के द्वारा""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 2:14 (#6)

"अलग करनेवाले दीवार को जो बीच में थी"

"यहूदियों और अन्य्जातिओं के बीच जो बैरभाव था उसकी तुलना एक दीवार से की गई है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वह बैरभाव विभाजन करने वाले एक दीवार के समान था”

देखें: रूपक

इफिसियों 2:15 (#1)

"और अर्थात् वह व्यवस्था जिसकी आज्ञाएँ विधियों की रीति पर थीं, मिटा दिया"

"यीशु के लहू ने मूसा की व्यवस्था को संतुष्ट किया ताकि यहूदी और अन्यजाति दोनों परमेश्वर में शान्ति से जी सकें। वैकल्पिक अनुवाद : ""उसने मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं को उठा लिया।"""

इफिसियों 2:15 (#2)

"कि" - "नई जाति"

यह संयोजक उक्ति, **कि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। व्यवस्था को निरस्त करने का लक्ष्य या उद्देश्य यह था कि यहूदियों और अन्यजातियों को एक समुदाय में संगठित करे।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 2:15 (#3)

"कि" - "एक नई जाति"

"पौलुस यहूदियों और अन्जायतियों की एकता को ऐसे व्यक्त करता है जैसे कि वे एक मनुष्य हो गए हैं। वैकल्पिक अनुवाद : ""एक अकेली नए लोग""

देखें: रूपक

इफिसियों 2:15 (#4)

"अपने में"

"यह मसीह के साथ जुड़ना है जो यहूदियों और अन्यजातियों के बीच मेल को संभव बनाता है। पौलुस इस सम्बन्ध का वर्णन इस प्रकार करता है कि मानो मसीह ने हम सबको चारों और से घेर लिया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि उसने इसे संभव कर दिया है"" (देखें :[[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])"

इफिसियों 2:16 (#1)

"दोनों को" - "मिलाए"

“मसीह यहूदियों और अन्यजातियों को शांति में एक साथ ले आए”

इफिसियों 2:16 (#2)

"पर" - "एक देह बनाकर"

कलीसिया को अधिकतर मसीह की देह स्वरुप चित्रित किया गया है, वह उसका सिर है। यहाँ वह यहूदियों और अन्यजातियों दोनों के समावेश से बनी है।

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 2:16 (#3)

"क्रूस" - "द्वारा"

"क्रूस यहाँ पर क्रूस मसीह की मृत्यु को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्रूस पर मसीह की मृत्यु के माध्यम से""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 2:16 (#4)

"बैर को नाश करके"

"उनके आपसी बैर को समाप्त करने को इस प्रकार कहा गया है कि जैसे उसने उनके बैर की हत्या कर दी। क्रूस पर मर जाने के द्वारा यीशु ने यहूदियों और अन्यजातियों के आपसी बैरभाव के कारण को निरस्त कर दिया। अब दोनों में से किसी को भी मूसा की व्यवस्था के अनुसार जीने की आवश्यकता नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: ""एक दूसरे से घृणा करने से रोकना""

देखें: रूपक

इफिसियों 2:17 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस इफिसुस के विश्वासियों को बताता है कि आज के अन्यजाति विश्वासी भी अब परमेश्वर के लोगों का उतना ही भाग हैं जितना कि यहूदी विश्वासी हैं। यहूदी प्रेरित और भविष्यद्वक्ता उनके ही हैं, जैसे मसीह है, और वे सब आत्मा में परमेश्वर के लिए एक मंदिर बनाते हैं।

इफिसियों 2:17 (#2)

"उसने" - "दोनों को मिलाप" - "सुसमाचार सुनाया"

“शांति के सुसमाचार की घोषणा की” या “शांति के सुसमाचार का प्रचार किया”

इफिसियों 2:17 (#3)

"तुम्हें" - "दूर थे," - "उन्हें जो"

पौलुस अन्यजातियों (गैरयहूदियों) का, जो परमेश्वर के लोगों का भाग नहीं थे, चित्रण ऐसे प्रस्तुत करता है जैसे कि वे सशरीर परमेश्वर से दूर हैं।

देखें: रूपक

इफिसियों 2:17 (#4)

"जो" - "निकट थे"

पौलुस यहूदियों का जो जन्म से ही परमेश्वर के लोग थे, ऐसा चित्रण प्रस्तुत करता है कि जैसे वे सशरीर परमेश्वर के निकट थे।

देखें: रूपक

इफिसियों 2:18 (#1)

"क्योंकि उस ही के द्वारा हम दोनों की" - "पहुँच होती है"

हम दोनों यहाँ पौलुस, विश्वास करने वाले यहूदियों तथा विश्वास करने वाले गैर-यहूदियों को संदर्भित करता है।

देखें:

इफिसियों 2:18 (#2)

"क्योंकि"

यह संयोजक शब्द,**क्योंकि** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि वह स्वयं ही है जिसने यहूदियों और अन्यजातियों को सक्षम किया कि पिता के निकट आने पाएँ। परिणाम यह है कि मसीह ने यहूदियों और अन्यजातियों में शांति का सुसमाचार सुनाया। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति को काम में लें जो कारण और परिणाम को जोडती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 2:18 (#3)

"एक आत्मा में"

"सब विश्वासियों को, यहूदियों और अन्यजातियों दोनों को परमेश्वर पिता की उपस्थिति में एक ही पवित्र आत्मा के द्वारा प्रवेश करने में सक्षम किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद : ""उसी आत्मा के द्वारा"""

इफिसियों 2:19 (#1)

"इसलिए" - "नहीं"

यह संयोजक उक्ति, **इसलिए तब** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि मसीह ने आत्मा के द्वारा उनको परमेश्वर के निकट आने दिया। परिणाम यह है कि इफिसुस के विश्वासी अब आगे को परमेश्वर से पृथक नहीं

हैं। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति को काम में लें जो कारण को परिणाम से जोडती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 2:19 (#2)

"परदेशी और मुसाफिर"

विदेशी और **मुसाफिर,** इन दोनों शब्दों के अर्थ समान है और संयोजित किये जा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य जिनका परमेश्वर से कोई सम्बन्ध नहीं था"

देखें: युग्म

इफिसियों 2:19 (#3)

"परन्तु"

यह संयोजक शब्द **की अपेक्षा** सम्बन्ध में विषमता को परिचित कराता है। इफिसुस के विश्वासियों की परमेश्वर से पूर्व में पृथकता उनकी वर्तमान स्थिति, परमेश्वर के राज्य के नागरिक और उसके परिवार के सदस्य की विषमता में पाई जाती है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 2:19 (#4)

"पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए"

पौलुस फिर से अन्यजातियों के विश्वासी बनने के बाद उनकी आत्मिक स्थिति की बात ऐसे कर रहा है जैसे कि वह विदेशियों की चर्चा कर रहा हो जो किसी दूसरे देश के नागरिक बन गए।

देखें: रूपक

इफिसियों 2:20 (#1)

"और" - "नींव पर" - "बनाए गए हो"

"पौलुस परमेश्वर के लोगों की बात ऐसे करता है जैसे कि वे एक इमारत हों। कोने का पत्थर मसीह है, और प्रेरित उसकी नींव हैं, और विश्वासी भवन हैं। वैकल्पिक अनुवाद : ""तुम शिक्षा पर निर्भर करते हो ""

देखें: रूपक

इफिसियों 2:20 (#2)

"और" - "बनाए गए हो"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में भी कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने तुम्हें बनाया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 2:21 (#1)

"सारी रचना एक साथ मिलकर" - "पवित्र मन्दिर बनती जाती है"

पौलुस मसीह के परिवार की बात करना ऐसे जारी रखता है जैसे कि वह एक भवन हो। जिस तरह से एक निर्माण करनेवाला बनाते समय पत्थरों को एक साथ जोड़ता है उसी तरह मसीह भी हमें एक साथ जोड़ रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: हम सब, एक साथ विकास करते हुए एक पवित्र समुदाय बनते हैं जो परमेश्वर की आराधना करता है।

देखें: रूपक

इफिसियों 2:21 (#2)

"जिसमें" - "प्रभु में एक"

"मसीह में ... प्रभु यीशु में" ये रूपक मसीह और उस पर विश्वास करने वालों के बीच सर्वाधिक दृढ़ सम्बन्ध को व्यक्त करते हैं।

देखें: रूपक

इफिसियों 2:22 (#1)

"जिसमें"

""मसीह में"" यह रूपक मसीह और उस पर विश्वास करने वालों के बीच सर्वाधिक दृढ़ सम्बन्ध को व्यक्त करता है।

देखें: रूपक

इफिसियों 2:22 (#2)

"तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का होने के लिये एक साथ बनाए जाते हो"

यह वर्णन करता है कि कैसे विश्वासियों को एक साथ संयोजित किया जा रहा है कि वे एक ऐसा स्थान बनें जहाँ परमेश्वर पवित्र आत्मा की शक्ति के माध्यम से स्थायी रूप से रहेगा।

वैकल्पिक अनुवाद: “तुम भी इस समूह में जोड़े जा रहे हो जहाँ परमेश्वर अपने आत्मा द्वारा वास करता है।

देखें: रूपक

इफिसियों 2:22 (#3)

"तुम भी" - "एक साथ बनाए जाते हो"

इसे कर्ताप्रधन रूप भी में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर तुम्हें भी एक साथ बना रहा है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 3:1 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nकलीसिया के छिपे हुए भेद को विश्वासियों पर प्रकट करने के लिए, पौलुस यहूदियों और अन्यजातियों की एकता का और उन दोनों वर्गों के विश्वासियों द्वारा परमेश्वर की आराधना करने वाले एक ही समुदाय के अभिन्न अंग होने का पुनः सन्दर्भ देता है, जैसे पत्थर जो एक मंदिर बनाते हैं।

इफिसियों 3:1 (#2)

"इसी कारण"

यह संयोजक उक्ति, **इस कारण** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है जिसकी चर्चा पौलुस ने अध्याय 2 में की थी, कि मसीह ने यहूदियों और अन्यजातियों में भेद का निवारण करके उनको एक समुदाय बनाकर अपना अनुग्रह दर्शाया है। परिणाम यह है कि पौलुस अन्यजातियों के लिए प्रार्थना करता है। अपनी भाषा में आप ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण और परिणाम को जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 3:1 (#3)

"इसी कारण"

आपको स्पष्ट करना होगा कि कारण क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: “तुम पर परमेश्वर के अनुग्रह के कारण” आपको यहाँ परिणाम को भी स्पष्ट करने की आवश्यकता होगी, जैसा यूएसटी में है, क्योंकि पौलुस 3:14 तक परिणाम का उल्लेख नहीं करता है, कि वह उनके लिए प्रार्थना करता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 3:1 (#4)

"जो" - "मसीह यीशु का बन्दी हूँ"

“वह जो बंदीगृह में है क्योंकि मैं मसीह यीशु की सेवा करता हूँ”

इफिसियों 3:2 (#1)

"परमेश्वर के उस अनुग्रह के प्रबन्ध का समाचार" - "जो तुम्हारे लिये मुझे दिया गया"

"**अनुग्रह** का यहाँ सन्दर्भ हो सकता है : (1) सुसमाचार का वरदान जो पौलुस अन्यजातियों के लिए ला रहा है और आप इसका अनुवाद कर सकते हैं, ""वह उत्तरदायित्व जो परमेश्वर ने मुझे सौंपा कि उसका अनुग्रह तुम तक पहुँचाऊँ "" या (2) अन्यजातियों के लिये सुसमाचार का भंडारी होने हेतु पौलुस को वरदान, और आप अनुवाद कर सकते हैं, ""वह उत्तरदायित्व जो तुम्हारे लाभ के लिए परमेश्वर ने बड़ी कृपा से मुझे सौंपा है"""

इफिसियों 3:3 (#1)

"अर्थात् यह कि वह" - "मुझ पर प्रकाश के द्वारा प्रगट हुआ"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में भी कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने मुझ पर जो प्रकट किया उसके अनुसार""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 3:3 (#2)

"जैसा मैं पहले संक्षेप में लिख चुका हूँ"

पौलुस यहाँ एक अन्य पत्र को संदर्भित करता है जो उसने इन लोगों को लिखा था।

इफिसियों 3:5 (#1)

"जो अन्य समयों में मनुष्यों की सन्तानों को ऐसा नहीं बताया गया था"

इसे कर्ताप्रधान रूप में भी कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने पूर्वकाल में इन बातों को मनुष्यों पर प्रकट नहीं किया था”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 3:5 (#2)

"जैसा कि आत्मा के द्वारा अब" - "पर प्रगट किया गया हैं"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में भी कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु अब आत्मा ने इसे प्रकट कर दिया है"" या ""परन्तु अब आत्मा ने इसे ज्ञात कराया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 3:6 (#1)

"अर्थात् यह कि" - "सुसमाचार के द्वारा अन्यजातीय लोग" - "भागी हैं"

यह वह छिपा हुआ सत्य है जिसे पौलुस ने पिछले पद में समझाना शुरू किया था। मसीह को ग्रहण करनेवाली अन्यजातियों को भी वह सब कुछ मिलता है जो यहूदी विश्वासी परमेश्वर से प्राप्त करते हैं।

इफिसियों 3:6 (#2)

"एक ही देह के"

कलीसिया को अक्सर मसीह की देह के रूप में संदर्भित किया गया है।

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 3:6 (#3)

"मसीह यीशु में"

मसीह यीशु में और इसके समान अन्य सब अभिव्यक्तियाँ रूपक हैं जो नए नियम की पत्रियों में बार-बार आती हैं। वे मसीह और उस पर विश्वास करने वालों के बीच सर्वाधिक दृढ़ सम्बन्ध को व्यक्त करती हैं।

इफिसियों 3:6 (#4)

"सुसमाचार के द्वारा"

सम्भावित अर्थ हैं: (1) सुसमाचार के कारण, अन्यजाति प्रतिज्ञा की सहभागी हैं या (2) सुसमाचार के द्वारा, अन्यजाति लोग सहउत्तराधिकारी और देह के सदस्य और प्रतिज्ञा में साझेदार हैं।

इफिसियों 3:8 (#1)

"अगम्य"

"पौलुस उस प्रत्येक वस्तु की जो मसीह देता है इस प्रकार चर्चा करता है कि जैसे वह भौतिक रूप से इतनी अधिक विस्तृत है कि उसे पूर्णतया खोज पाना असंभव है। वैकल्पिक अनुवाद: ""पूर्णतया जानने में अक्षम होना""

देखें: रूपक

इफिसियों 3:8 (#2)

"मसीह के" - "धन का"

पौलुस मसीह के बारे में सच और उन आशीषों के बारे में जो वह लाता है ऐसे बोलता है जैसे कि वे भौतिक धन हैं।

देखें: रूपक

इफिसियों 3:9 (#1)

"उस भेद का" - "क्या है, जो सब के सृजनहार परमेश्वर में आदि से गुप्त था"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में भी व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद : ""परमेश्वर जिसने सब वस्तुओं का सृजन किया, इस योजना को अतीत में लंबे समय तक छिपाए रखा""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 3:10 (#1)

"ताकि"

यह संयोजक उक्ति, **ताकि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। पौलुस पर कलीसिया के भेद को प्रकट करने में परमेश्वर का उद्देश्य है कि स्वार्गिक स्थानों में शासकों को सक्षम किया जाए कि वे परमेश्वर की बुद्धि को देखने में सक्षम हों।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 3:10 (#2)

"परमेश्वर का विभिन्न प्रकार का ज्ञान, उन प्रधानों और अधिकारियों पर, जो स्वर्गीय स्थानों में हैं प्रगट किया जाए"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में भी व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर अपने महान ज्ञान को स्वार्गिक स्थानों में उन प्रधानों और अधिकारियों पर प्रकट कर सके"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 3:10 (#3)

"उन प्रधानों और अधिकारियों पर"

ये शब्द समान अर्थों को साझा करते हैं। पौलुस इस बात पर ज़ोर देने के लिए इसका उपयोग एक साथ करता है कि हर एक आत्मिक प्राणी परमेश्वर के ज्ञान को जानेगा। यदि आपकी भाषा में इसके लिए दो अलग अलग शब्द नहीं हैं तो आप एक ही शब्द काम में ले सकते हैं।

देखें: युग्म

इफिसियों 3:10 (#4)

"जो स्वर्गीय स्थानों में हैं"

""स्वर्गीय स्थानों में।" यहाँ ""स्वर्गीय"" शब्द उस स्थान को सन्दर्भित करता है जहाँ परमेश्वर है। देखें कि इसका अनुवाद इफिसियों 1:3 में कैसे किया गया है।"

इफिसियों 3:10 (#5)

"परमेश्वर का विभिन्न प्रकार का ज्ञान"

"पौलुस परमेश्वर के ज्ञान के बारे में ऐसे कहता है कि जैसे वह अनेक सतहों कि कोई वस्तु है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर का जटिल ज्ञान"" या ""परमेश्वर कैसा नितांत बुद्धिमान है""

देखें: रूपक

इफिसियों 3:11 (#1)

"उस सनातन मनसा के अनुसार"

"अनन्त योजना के अनुरूप रहना" या "अनन्त योजना के साथ अटल बने रहना "

इफिसियों 3:12 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nइस अगले भाग में, पौलुस कष्टों में भी परमेश्वर की स्तुति करता है और इफिसुस के इन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करता है।

इफिसियों 3:12 (#2)

"हमको" - "साहस"

""हम बिना डर के हैं" या ""हम में साहस है""

इफिसियों 3:12 (#3)

"साहस और" - "निकट आने का अधिकार है"

ये दो शब्द एक ही विचार को व्यक्त करने हेतु आपस में जुड़ जाते हैं: "साहसी पहुँच" या "प्रवेश करने में निर्भीक होना"

देखें: हेंडियाडिस

इफिसियों 3:12 (#4)

"पर" - "भरोसे" - "निकट आने का अधिकार है"

स्पष्ट रूप से यह बताना सहायक हो सकता है कि पहुँचने का अर्थ, परमेश्वर की उपस्थिति में पहुँचना है। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मविश्वास के साथ परमेश्वर की उपस्थिति में आना" या "परमेश्वर की उपस्थिति में आत्मविश्वास से प्रवेश करने की स्वतंत्रता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 3:12 (#5)

"भरोसे"

""निश्चितता" या ""आश्वासन"""

इफिसियों 3:13 (#1)

"इसलिए" - "क्योंकि"

यह संयोजक शब्द, **इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि विश्वासियों को मसीह के पास आने में आत्मविश्वास है। परिणाम यह है कि विश्वासियों को हताश नहीं किया जाएगा। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति को को काम में लाएं जो कारण को परिणाम से जोडती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 3:13 (#2)

"तुम्हारे लिये" - "उनमें तुम्हारी महिमा है"

"यहाँ **तुम्हारी महिमा** जो उस उद्धार और अनंत जीवन के लिए एक लाक्षणिक प्रयोग है जिसे इफिसुस के विश्वासी मसीह के बारे में पौलुस के प्रचार कार्य के कारण प्राप्त करेंगें जिसके परिणामस्वरूप वह बन्दीगृह में कष्ट भोग रहा है। इसे एक नए वाक्य में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे लिए। वे तुम्हारे निमित्त अद्भुत लाभ लाते हैं"" या ""तुम्हारे लिए। उनका परिणाम तुम्हारा उद्धार है""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 3:14 (#1)

"इसी कारण"

यह संयोजक उक्ति, **इसी कारण** कारण-परिणाम को परिचित कराता है। कारण यह है कि पौलुस के कष्ट विश्वासियों के लिए महिमा का कारण हुआ था। परिणाम यह है कि पौलुस पिता से प्रार्थना करता है। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति को काम में लें जो कारण को परिणाम से जोडती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 3:14 (#2)

"इसी कारण"

आपको यह स्पष्ट करने की आवश्यकता हो सकती है कि कारण क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर ने तुम्हारे लिए यह सब किया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 3:14 (#3)

"मैं" - "उस पिता के सामने घुटने टेकता हूँ"

घुटने टेकना मनुष्य के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को प्रार्थना के मनोभाव में चित्रित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं पिता के सामने घुटने टेक कर विनती करता हूँ" या "मैं दीन मन से पिता से प्रार्थना करता हूँ"

देखें: संकेतन

इफिसियों 3:15 (#1)

"जिससे स्वर्ग और पृथ्वी पर, हर एक घराने का नाम रखा जाता है"

"यहाँ नामकरण का कार्य संभवतः सृजन के कार्य का भी प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसने स्वर्ग और पृथ्वी पर, हर एक घराने को रचा और उसका नाम रखा""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 3:16 (#1)

"कि"

यह संयोजक उक्ति, **कि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। पौलूस की प्रार्थना का लक्ष्य या उद्देश्य है कि इफिसुस के विश्वासी अपने विश्वास और प्रेम में परमेश्वर से दृढ़ता पाएँ।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 3:16 (#2)

"वह अपनी महिमा के धन के अनुसार तुम्हें यह दान दे कि तुम" - "सामर्थ्य पा कर बलवन्त होते जाओ"

"परमेश्वर क्योंकि इतना महान और शक्तिशाली है, इसलिए वह तुम्हें अपनी शक्ति के द्वारा बलवन्त होने देगा"

इफिसियों 3:16 (#3)

"वह" - "यह दान दे कि"

"देगा"

इफिसियों 3:17 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस इफिसियों 3:14 में आरम्भ की गई अपनी प्रार्थना को जारी रखता है।

इफिसियों 3:17 (#2)

"और विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे कि तुम प्रेम में जड़ पकड़कर और नींव डालकर"

"यह वह दूसरी बात है जिसके लिए पौलुस प्रार्थना करता है कि परमेश्वर इफिसुस के विश्वासियों को **अपनी महिमा के**

धन के अनुसार दान दे। पहली यह है कि वे ""बलवन्त किए जाएं"" (3:16)।"

इफिसियों 3:17 (#3)

"और विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे कि"

"यहाँ **मन** भीतरी मनुष्यत्व को दर्शाता है, और ""के द्वारा"" उस माध्यम को व्यक्त करता है जिसके द्वारा मसीह विश्वासी के भीतर वास करता है। मसीह विश्वासियों के मनों में रहता है क्योंकि परमेश्वर कृपालु होकर उन्हें विश्वास करने देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "" मसीह तुम्हारे भीतर रहे क्योंकि तुम उस में विश्वास रखते हो""

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 3:17 (#4)

"तुम प्रेम में जड़ पकड़कर और नींव डालकर"

पौलुस उनके विश्वास को ऐसे कहता है जैसे कि वह एक वृक्ष हो जिसकी जड़ें गहराई में है, या दृढ़ नींव पर बना हुआ एक घर हो। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम एक दृढ़ जड़ वाले पेड़ और पत्थर पर बनी एक इमारत की तरह होगे"

देखें: रूपक

इफिसियों 3:18 (#1)

"कि"

यह संयोजक उक्ति, **कि** कारण-परिणाम को परिचित कराता है। कारण यह है कि मसीह उनके मनों में वास करे। परिणाम यह है कि इफिसुस के विश्वासी परमेश्वर के प्रेम को पूर्णत: जान सकें और परमेश्वर की पूर्णता से परिपूरित हो जाएं। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोडती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 3:18 (#2)

"समझने की"

यह तीसरी बात है जिसके लिए पौलुस घुटने टेककर प्रार्थना करता है; पहली यह है कि परमेश्वर उन्हें ऐसा होने दे कि वे बलवन्त हों (3:16) और दूसरी यह कि मसीह उनके विश्वास के कारण उनके मनों में वास करे (3:17)

इफिसियों 3:18 (#3)

"सब पवित्र लोगों"

"मसीह में सब विश्वासियों"

इफिसियों 3:18 (#4)

"शक्ति पाओ;" - "उसकी चौड़ाई, और लम्बाई, और ऊँचाई, और गहराई"

इस रूपक में पौलुस किसी ऐसी वस्तु की कल्पना करता है जो भौतिक नहीं है या किसी ऐसी भौतिक वस्तु को नापने की जो चारों दिशाओं में फैली हुई होने के कारण बहुत बड़ी है। संभावित अर्थ हैं: (1) ये शब्द हमारे लिए मसीह के प्रेम की प्रबलता का वर्णन करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह हमें कैसा महान प्रेम करता है। या (2) ये शब्द परमेश्वर की बुद्धि की महानता का वर्णन करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर कैसा अति बुद्धिमान है"

देखें: रूपक

इफिसियों 3:18 (#5)

"शक्ति पाओ;" - "उसकी चौड़ाई, और लम्बाई, और ऊँचाई, और गहराई"

"यह स्पष्ट करना अति आवश्यक हो सकता है कि ये शब्द किसका सन्दर्भ देते हैं। यदि ऐसा है, तो आप इसको अगले पद के वाक्यांश के साथ जोड़ सकते हैं और कह सकते हैं: ""की चौड़ाई और लम्बाई और ऊँचाई और गहराई, और मसीह के उस प्रेम को यथार्थ में जान लें" या ""यथार्थ में जान लें, मसीह के प्रेम की चौड़ाई और लम्बाई और ऊँचाई और गहराई""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 3:19 (#1)

"मसीह के उस प्रेम" - "जान सको"

"यह पिछले पद के विचार को ही आगे बढ़ाता है। वे दोनों मसीह के प्रेम की महानता को जानने के संदर्भ में हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""कि तुम जान सको कि हमारे लिए मसीह का प्रेम कैसा महान है"""

इफिसियों 3:19 (#2)

"को" - "कि तुम परमेश्वर की सारी भरपूरी तक परिपूर्ण हो जाओ"

"यह चौथी बात है जिसके लिए पौलुस घुटने टेककर प्रार्थना करता है (इफिसियों 3:14)। पहली यह है कि वे बलवन्त किया जाएँ"" (इफिसियों 3:16), और दूसरी यह है कि ""मसीह विश्वास के द्वारा उनके मनों में वास करेगा"" (इफिसियों 3:18) और तीसरी यह है कि वे **मसिह् के प्रेम को समझने पाएँ** (इफिसियों 3:18)"

इफिसियों 3:19 (#3)

"को" - "कि तुम परमेश्वर की सारी भरपूरी तक परिपूर्ण हो जाओ"

इस रूपक में पौलुस कल्पना करता है कि इफिसुस के विश्वासी पात्र हैं जिनमें परमेश्वर स्वयं को उंडेल सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि परमेश्वर तुम को वह सब दे सके जो उसे देना है"

देखें: रूपक

इफिसियों 3:19 (#4)

"कि तुम" - "परिपूर्ण हो जाओ"

इस को सक्रिय रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि परमेश्वर तुम्हे भर सके"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 3:19 (#5)

"को" - "परमेश्वर की सारी भरपूरी तक"

भरपूरी भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक वस्तु से परमेश्वर भरा हुआ है"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 3:19 (#6)

"कि"

यह संयोजक उक्ति, **कि** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि इफिसुस के विश्वासी मसीह के प्रेम को जानें। परिणाम यह है कि वे परमेश्वर की भरपूरी से परिपूर्ण हो जाएं। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति को काम में लें जो कारण को परिणाम से जो जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 3:20 (#1)

""

General Information:\n\nइस पुस्तक में शब्द "हम" और "हमारा" पौलुस और सभी विश्वासियों को शामिल करना जारी रखते हैं।

देखें:

इफिसियों 3:20 (#2)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस अपनी प्रार्थना को आशीष वचन के साथ समाप्त करता है।

इफिसियों 3:20 (#3)

"अब" - "और"

"अब परमेश्वर को, जो"

इफिसियों 3:20 (#4)

""

""वह सब जो हम माँगते या सोचते हैं उससे कहीं अधिक करने के लिए" या ""जो हम उससे माँगते हैं या जिनके बारे में सोचते हैं उससे कहीं अधिक महान कामों को करने के लिए"""

इफिसियों 3:21 (#1)

"कलीसिया में," - "उसकी महिमा" - "होती रहे"

महिमा भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "हो सके तो परमेश्वर के लोग उसका महिमान्वन करें" या "हो सके तो परमेश्वर के लोग उसकी स्तुति करें कि वह कैसा महान है" देखें यूएसटी

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:1 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस इफिसुस के विश्वासियों को जो लिखता रहा था, उसी के कारण, वह उनको निर्देश देता है कि विश्वासी होने के कारण उन्हें अपना जीवन कैसे जीना है और वह फिर से इस बात पर जोर देता है कि विश्वासियों को आपस में सहमत होना है।

इफिसियों 4:1 (#2)

"इसलिए"

यह संयोजक शब्द, **इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित करता है। कारण यह है कि परमेश्वर पीढ़ी से पीढ़ी तक कलीसिया में महिमान्वित हो। परिणाम यह है कि विश्वासी ऐसा आचरण रखें जो प्रभु के योग्य हो। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति को काम में लें जो कारण को आपस में परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 4:1 (#3)

"जो प्रभु में बन्दी"

“कोई बंदीगृह में है क्योंकि वह प्रभु की सेवा करता है”

इफिसियों 4:1 (#4)

"जिस बुलाहट से" - **"उसके योग्य चाल चलो"**

चलना किसी व्यक्ति की जीवन शैली के विचार को व्यक्त करने का एक सामान्य तरीका है।

देखें: रूपक

इफिसियों 4:1 (#5)

"जिस बुलाहट से तुम बुलाए गए थे"

यहाँ **बुलाहट** का सन्दर्भ उस तथ्य से है कि परमेश्वर ने उनको अपनी प्रजा होने के लिए चुन लिया है। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि परमेश्वर ने तुमको अपनी प्रजा होने के लिए चुना है”

इफिसियों 4:2 (#1)

"अर्थात् सारी दीनता और नम्रता"

"**दीनता नम्रता,** और **धीरज **भाववाचक संज्ञा हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""दीन, नम्र, और धीरजवंत होना सीखना”

इफिसियों 4:3 (#1)

"मेल के बन्धन में आत्मा की एकता रखने का"

"यहाँ पौलुस **शान्ति** की बात ऐसे करता है जैसे कि यह एक बंधन हो जो लोगों को एक साथ जोड़ता है। यह अन्यों के साथ शांति से रहकर एकजुट होने के लिए एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: “शांतिपूर्वक एक दूसरे के साथ जीना और एकजुट रहें जैसा कि आत्मा ने सम्भव किया है""

इफिसियों 4:3 (#2)

"मेल के बन्धन में आत्मा की एकता रखने का"

एकता और **शांति** भाववाचक संज्ञा शब्द हैं। वैकल्पिक अनुवाद: एक दूसरे के साथ शांतिपूर्वक रहो जैसा कि आत्मा ने संभव किया है, संगठित बने रहो”

इफिसियों 4:4 (#1)

"एक ही देह है"

कलीसिया को अक्सर मसीह की देह के रूप में संदर्भित किया गया है।

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 4:4 (#2)

"एक ही आत्मा"

“केवल एक ही पवित्र आत्मा”

इफिसियों 4:4 (#3)

"तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है"

"इसे कर्ताप्रधान रूप में भी कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे बुलाए जाने में एक निश्चित आशा बनाए रखने के लिए परमेश्वर ने तुम्हें बुलाया है।"" या ""एक बात यह है कि परमेश्वर ने भी तुम्हें चुना है कि तुम उस पर विश्वास करें और उससे अपेक्षा करो""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 4:6 (#1)

"सब का" - "पिता है" - "सब के ऊपर और सब के मध्य में," - "सब में है"

"यहाँ शब्द **सब** का अर्थ है, **हर एक वस्तु**"""

इफिसियों 4:7 (#1)

""

General Information:\n\nयहाँ यह उद्धरण राजा दाऊद के लिखे एक गीत से है।

इफिसियों 4:7 (#2)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस विश्वासियों को उन वरदानों का स्मरण कराता है जिन्हें मसीह कलीसिया में विश्वासियों को उपयोग के लिए देता है जो कि उसकी सम्पूर्ण देह है।

इफिसियों 4:7 (#3)

""

"इसे कर्ताप्रधान रूप में भी कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने हम में से हर एक को अनुग्रह दिया है"" या ""परमेश्वर ने प्रत्येक विश्वासी को एक वरदान दिया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 4:7 (#4)

""

अनुग्रह भाववाचक संज्ञा है जिसका सन्दर्भ यहाँ परमेश्वर के वरदान से है वैकल्पिक अनुवाद "परमेश्वर ने हर एक विश्वासी को एक वरदान दिया है"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:8 (#1)

"इसलिए"

यह संयोजक शब्द **इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि प्रत्येक विश्वासी को एक आत्मिक वरदान प्राप्त है। परिणाम यह है कि पवित्रशास्त्र कहता है कि यीशु ने मनुष्यों को वरदान दिए हैं। अपने भाषा में ऐसी उक्ति को काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 4:8 (#2)

""ऊँचे पर चढ़ा,"

"जब मसीह ऊपर स्वर्ग में गया"

इफिसियों 4:9 (#1)

"उसके चढ़ने से"

"मसीह ऊपर गया"

इफिसियों 4:9 (#2)

"केवल यह कि" - "उतरा भी था"

"मसीह नीचे भी आया"

इफिसियों 4:9 (#3)

"वह पृथ्वी की निचली जगहों में"

"सम्भावित अर्थ हैं (1) निचली जगह पृथ्वी का एक भाग हैं या (2) **निचली क्षेत्र** पृथ्वी को ही संदर्भित करने का एक और तरीका है। वैकल्पिक अनुवाद: ""निचली जगहों, पृथ्वी में"""

इफिसियों 4:10 (#1)

"कि सब कुछ परिपूर्ण करे"

"वह अपनी सामर्थ्य में सब जगह कार्यरत् रहे"

इफिसियों 4:10 (#2)

"परिपूर्ण करे"

""सम्पूर्ण" या ""संतुष्ट"""

इफिसियों 4:11 (#1)

"रखवाले"

यहाँ जिस शब्द का अनुवाद **रखवाले** किया गया है, वही शब्द यू.एल.टी. के अन्य स्थानों पर "चरवाहे" के रूप में अनुवादित हुआ है। यह उस शब्द का बहुवचन रूप है जिसका उपयोग यीशु ने यूहन्ना 10:10 में अपने लिए किया है, जहाँ वे कहते हैं कि वे "अच्छे चरवाहे" हैं। यहाँ विचार यह है कि जिस प्रकार एक चरवाहा अपनी भेड़-बकरियों को खिलाता है, उनकी रक्षा करता है और उनकी भलाई का ध्यान रखता है, उसी तरह रखवाला (पासवान) कलीसिया के लोगों को आत्मिक आहार देते हैं, उनकी आत्मिक भलाई का ध्यान रखते हैं और उनकी रक्षा करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप "रखवाले" शब्द का अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक चरवाहे" या "चरवाही करने वाले मसीही अगुवा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

इफिसियों 4:12 (#1)

"जिससे पवित्र लोग सिद्ध हो जाएँ और"

""उन लोगों को तैयार करने के लिए जिनको उसने अलग किया है" या "विश्वासियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार प्रदान करने के लिए"""

इफिसियों 4:12 (#2)

"सेवा का काम किया जाए"

"कि वे अन्यों की सेवा कर सकें"

इफिसियों 4:12 (#3)

"और मसीह की देह उन्नति पाए"

पौलुस उन लोगों की बात ऐसा कर रहा है जो आत्मिक रूप से बढ़ते हैं जैसे कि वे अपने भौतिक शरीर की ताकत बढ़ाने के लिए व्यायाम कर रहे थे।

देखें: रूपक

इफिसियों 4:12 (#4)

"उन्नति पाए"

"उन्नति"

इफिसियों 4:12 (#5)

"मसीह की देह"

"**मसीह की देह** मसीह की कलीसिया के हर एक सदस्य को संदर्भित करती है।"""

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 4:13 (#1)

"कि हम" - "विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएँ, और" - "बढ़ जाएँ"

विश्वासियों के लिए आवश्यक है कि वे मसीह को परमेश्वर के पुत्र के रूप में जानें। यदि उनको विश्वास में एकजुट होना है और विश्वासियों के रूप में परिपक्व होना हैं।

इफिसियों 4:13 (#2)

"कि हम सब के सब विश्वास," - "एक न हो जाएँ, और" - "बढ़ जाएँ"

"**एकता** भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हम सब विश्वास में समान रूप से बलवंत होते हैं या ""हम सब विश्वास में एकजुट होते हैं।""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:13 (#3)

"कि हम" - "विश्वास," - "एक न हो जाएँ, और" - "बढ़ जाएँ"

विश्वास भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनूवाद:"विश्वासी होने के कारण एक साथ संगठित हो जाओ"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:13 (#4)

"और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में"

ज्ञान भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "और सब परमेश्वर के पुत्र को भली भांति जान लें"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:13 (#5)

"परमेश्वर के पुत्र की"

यह यीशु के लिए एक महत्वपूर्ण उपाधि है।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

इफिसियों 4:13 (#6)

"सिद्ध मनुष्य न बन जाएँ और"

“एक परिपक्व विश्वासी”

इफिसियों 4:13 (#7)

"सिद्ध"

"“पूरी तरह से विकसित” या ""वयस्क"" या “परिपूर्ण”"

इफिसियों 4:14 (#1)

"ताकि"

यह संयोजक उक्ति, **ताकि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। कलीसिया में वरदान प्राप्त लोगों के लिए लक्ष्य या उद्देश्य है कि वे सब विश्वासियों को आत्मिक परिपक्वता में लाएँ।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 4:14 (#2)

"हम आगे को बालक"

"पौलुस उन विश्वासियों को जो आत्मिक रूप से व्यस्क नहीं हुए हैं ऐसे संदर्भित करता है कि जैसे वे ऐसे बच्चे हों जिन्हें जीवन में बहुत कम अनुभव है। वैकल्पिक अनुवाद: बच्चों की तरह बनो""

देखें: रूपक

इफिसियों 4:14 (#3)

"जो" - "और" - "युक्तियों की," - "उपदेश की, हर एक वायु से उछाले, और घुमाए जाते हों"

पौलुस उस विश्वासी का जो परिपक्व नहीं हुआ है और विभिन्न गलत शिक्षाओं का अनुसरण करता है, इस प्रकार वर्णन करता है कि जैसे वह एक नाव है और गलत शिक्षाएँ हवा और लहरें हैं जो नाव को पानी पर अलग-अलग दिशा में बहा रही हैं। देखें यूएसटी

देखें: रूपक

इफिसियों 4:14 (#4)

"बालक" - "मनुष्यों की" - "चतुराई से उनके भ्रम की युक्तियों की, और" - "उछाले, और"

"**ठग विद्या, चतुराई,** और **युक्तियों** भाववाचक संज्ञा शब्द हैं। वैकल्पिक अनुवाद: चतुर लोगों के द्वारा जो चतुराई से गढ़ी हुई झूठ से विश्वासियों को भ्रम में डालते हैं""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:15 (#1)

"वरन्"

यह संयोजक शब्द,**वरन्** विषम सम्बन्ध को परिचित कराता है। प्रत्येक परिवर्तनकारी शिक्षा का अनुसरण करना मसीह में परिपक्व होने और उसकी देह के विकास के विपरीत है। अपनी भाषा में ऐसे शब्द को काम में लें जो विषमता को दर्शाता है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 4:15 (#2)

"सच बोलें और"

सच्चाई भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: “सत्यनिष्ठा से बोलना”

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:15 (#3)

"प्रेम में"

प्रेम भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे सदस्य एक दूसरे से प्रेम रखते हैं”

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:15 (#4)

"उसमें जो सिर है, अर्थात्"

मानवीय शरीर की उपमा देकर पौलुस वर्णन करता है कि मसीह कैसे विश्वासियों को प्रेरित करता है कि सामंजस्य में एक साथ काम करें जैसे सिर शरीर के अंगों को उकसाता है कि स्वस्थ रहने के लिए एक साथ काम करें। देखें यूएसटी

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 4:16 (#1)

"जिससे सारी देह" - "उस" - "उसमें होता है," - "बढ़ाती है"

पौलुस मसीह को सिर और विश्वासियों को मानवीय शरीर ही की उपमा दे रहा है कि यह वर्णन करे कि मसीह कैसे विश्वासियों के लिए एकजुट होकर सामंजस्य में काम करने का कारण है, ठीक वैसे ही जैसे शरीर का सिर अंगों को उकसाता है कि स्वस्थ रहने के लिए एक साथ काम करें। देखें यूएसटी

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 4:16 (#2)

"अपने आप को" - "कि वह प्रेम में उन्नति करती जाए"

जिससे एक उद्देश्य गर्भित वाक्यांश का संकेत देता है। सब विश्वासियों का उद्देश्य सामंजस्य में जुड़ना है ताकि सब विश्वासी पारस्परिक प्रेम और परमेश्वर से प्रेम की क्षमता में विकास करें। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति को काम में लें जो उद्देश्य गर्भित वाक्यांश हो।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 4:16 (#3)

"कि वह प्रेम में"

प्रेम भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे सदस्य एक दूसरे से प्रेम रखते हैं" या "एक दूसरे से अधिकाधिक प्रेम करने में सक्षम हों"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:16 (#4)

"हर एक जोड़ की सहायता से" - "के द्वारा"

पौलुस विश्वासियों की तुलना मानवीय देह के साथ ही कर रहा है। **स्नायु** एक मजबूत तंत्र है जो हड्डियों या अंगों को शरीर में

यथास्थान जोड़कर रखता है। जिस प्रकार शरीर दृढ स्नायु तंत्रों द्वारा बंधा रहता है, ठीक उसी प्रकार विश्वासी प्रेम के द्वारा एक साथ बंधे रहते हैं, जब देह विकसित होती है और एकजुट काम करती है तो प्रेम अधिकाधिक बलवंत होता जाता है। देखें यूएसटी (देखें:[[rc://hi/ta/man/translate/bita-hq]])

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 4:17 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस उन्हें बताता है कि उन्हें अब क्या नहीं करते रहना चाहिए क्योंकि विश्वासी होने के कारण उन पर परमेश्वर के पवित्र आत्मा द्वारा मोहर लगा दी गई है।

इफिसियों 4:17 (#2)

"इसलिए"

यह संयोजक शब्द, **इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि मसीह चाहता है कि प्रत्येक विश्वासी आत्मिक रूप से परिपक्व हो जाए और अन्य विश्वासियों की सेवा करे। परिणाम यह है कि इफिसुस के विश्वासी अब आगे को अन्यजाति का सा आचरण न रखें। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति को काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 4:17 (#3)

"इसलिए मैं यह कहता हूँ और" - "जताए देता हूँ कि"

"जो मैंने अभी कहा है इस कारण, मैं तुम्हें अत्यधिक प्रोत्साहित करने के लिए अब कुछ और कहूँगा"

इफिसियों 4:17 (#4)

"प्रभु में"

"इसका अर्थ या तो यह हो सकता है, (1) ""प्रभु के अधिकार से"" या (2) "क्योंकि हम सब प्रभु के हैं""

इफिसियों 4:17 (#5)

"जैसे अन्यजातीय लोग अपने मन की अनर्थ की रीति पर चलते हैं, तुम अब से फिर ऐसे न चलो"

"पौलुस इस रूपक का उपयोग बहुधा तब करता है जब वह किसी की जीवन शैली की तुलना चलने से करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""निकम्मे विचार रखनेवाले अन्यजातियों के सामान जीवन जीना त्याग दो""

देखें: रूपक

इफिसियों 4:18 (#1)

"क्योंकि उनकी बुद्धि अंधेरी हो गई है"

"इस रूपक द्वारा अनुचित विचारों की तुलना अन्धकार से की गई है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वे अब न तो स्पष्ट सोच सकते हैं न ही स्पष्ट तर्क कर सकते हैं"" या ""वे समझने में सक्षम ही नहीं हैं""

देखें: रूपक

इफिसियों 4:18 (#2)

"क्योंकि उनकी बुद्धि अंधेरी हो गई है"

इसे कर्ताप्रधान रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी सोच का तरीका अंधकारपूर्ण हो गया है" या "वे अब स्पष्ट सोचने और तर्क करने योग्य नहीं रहे" या "वे समझने योग्य ही नहीं हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 4:18 (#3)

"और उस अज्ञानता के कारण जो उनमें है" - **"वे परमेश्वर के जीवन से अलग"**

"इसे कर्ताप्रधान रूप में भी कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: क्योंकि वे परमेश्वर को नहीं जानते, वे उस तरह से नहीं जी सकते जैसा परमेश्वर अपने लोगों से चाहता है"" या ""उन्होंने अपनी अज्ञानता के कारण स्वयं को परमेश्वर के जीवन से अलग कर लिया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 4:18 (#4)

"अलग"

""सम्बन्ध तोड़ दिया" या ""अलग कर लिया"""

इफिसियों 4:18 (#5)

"अज्ञानता"

""ज्ञान की कमी" या ""जानकारी की कमी"""

इफिसियों 4:18 (#6)

"और उनके मन की कठोरता के कारण"

"**उनके मनों की कठोरता** यह वाक्यांश एक रूपक है जिसका अर्थ है, ""हठ।"" वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि वे हठी हैं"" या ""क्योंकि वे परमेश्वर को सुनने से इन्कार करते हैं""

देखें: रूपक

इफिसियों 4:18 (#7)

"के कारण"

यह संयोजक शब्द,**क्योंकि**कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। पहला कारण यह है कि वे उससे अनभिज्ञ हैं। परिणाम यह है कि अन्यजातियाँ परमेश्वर से अलग हैं। आपकी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 4:18 (#8)

"कारण"

या संयोजक शब्द,**क्योंकि** कारण-सम्बन्ध को परिचित कराता है। दूसरा कारण यह है कि उनके हृदय कठोर किए गए हैं। परिणाम यह है कि अन्यजातियाँ परमेश्वर से अलग है। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 4:19 (#1)

"वे" - **"लुचपन"** - **"लग गए हैं"**

"पौलुस इन लोगों के लिए ऐसे कहता है जैसे कि वे कोई वस्तु हों जिसे वे स्वयं ही अन्यों को दे रहे हों, और वह उनकी

शारीरिक अभिलाषाओं को संतुष्ट करने के तरीकों के बारे में ऐसे बताता है जैसे कि वे कोई व्यक्ति हैं जिन्हें वे स्वयं को सौंप देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रत्येक शारीरिक अभिलाषा के अधीन हो गए हैं"" या ""केवल अपनी शारीरिक अभिलाषाओं को संतुष्ट करना चाहते हैं""

देखें: रूपक

इफिसियों 4:20 (#1)

"पर तुम ने मसीह की ऐसी शिक्षा नहीं पाई"

"**ऐसी ** यह शब्द अन्यजाति लोगों की जीवन शैली को संदर्भित करता है, जिसका वर्णन इफिसियों 4:17–19 में किया गया है। यह इस बात पर जोर देता है कि विश्वासियों ने मसीह से जो सीखा है वह उसके विपरीत है। वैकल्पिक अनुवाद: ""लेकिन तुमने मसीह के मार्गों के बारे में जो सीखा वह ऐसा नहीं था"""

इफिसियों 4:20 (#2)

"पर"

यह संयोजक शब्द,**पर**विषमता का सम्बंध को परिचित कराता है। अन्यजातियों की पापमय जीवन शैली पौलुस द्वारा इफिसुस के विश्वासियों को सिखाई गई यीशु के सत्य के अनुरूप जीवन शैली के विपरीत है। अपनी भाषा में ऐसा शब्द काम में लें जो यहाँ विषमता दर्शाए

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 4:21 (#1)

"वरन् तुम ने सचमुच उसी की सुनी, और" - "उसी में सिखाए भी"

पौलुस जानता है कि जिन लोगों को वह लिख रहा है उन्होंने इन बातों को सुना है और उन्हें सिखाया भी गया है। वह झिड़की के रूप में उपहास कर रहा है-यदि वे मसीह के मार्ग के विपरीत चल रहे हैं तो वे जानते हैं कि उससे अच्छा क्या है और उन्हे परित्याग करने की आवश्यकता है। देखें यूएसटी

देखें: विडंबना

इफिसियों 4:21 (#2)

"उसी में सिखाए भी"

"इसको कर्ताप्रधान रूप में भी व्यक्त किया जा सकता है। संभावित अर्थ हैं (1) ""उसके मार्गों में शिक्षा पाई है"" या (2) ""यीशु के लोगों ने तुम्हें सिखाया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 4:21 (#3)

"जैसा यीशु में सत्य है," - "गए"

""“जैसे यीशु हमें जीने के लिए सच्चे मार्ग की शिक्षा देता है” या ""यीशु के बारे में हर एक बात सच है"" देखें यूएसटी।"

इफिसियों 4:22 (#1)

"कि तुम" - "के पुराने" - "उतार डालो"

"पौलुस नैतिक गुणों के विषय ऐसे कह रहा है जैसे वे वस्त्र के अंश हों। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी पुरानी जीवन शैली के अनुसार जीना त्याग दो""

देखें: रूपक

इफिसियों 4:22 (#2)

"कि" - "मनुष्यत्व को जो" - "उतार डालो"

"पौलुस जीवन शैली के लिए ऐसे कह रहा है कि जैसे वह कोई मनुष्य है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उन बातों का करना त्याग दो जिन्हें तुम्हारा पूर्ववर्ती मनुष्यत्व करता था"" या ""उन कामों को करना त्याग दो जिन्हे तुम किया करते थे""

देखें: रूपक

इफिसियों 4:22 (#3)

"मनुष्यत्व को जो"

"**पुराना मनुष्यत्व,** ""पुराने स्वभाव"" या ""पुराने व्यक्तित्व"" को संदर्भित करता है, मसीह में विश्वासी हो जाने से पूर्व मनुष्य जैसा था

देखें: रूपक

इफिसियों 4:22 (#4)

"अपने" - "भरमानेवाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है"

"पौलुस पापमय जीवन शैली के विषय ही चर्चा कर रहा है जैसे कि वह कोई मनुष्य है जो दुष्टता के काम करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब तुमने इस विचार से स्वयं को मूर्ख बनाया कि तुम जो भी दुष्टता के काम करना चाहते थे उन्हें करना अच्छा है"" देखें यूएसटी

देखें: रूपक

इफिसियों 4:23 (#1)

"अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ"

"इसका अनुवाद कर्ताप्रधान रूप में किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर को तुम्हारे स्वभाव और विचारों को बदलने दो"" या ""परमेश्वर को तुम्हें नया स्वभाव और नए विचार प्रदान करने दो"" देखें यूएसटी

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 4:24 (#1)

"नये" - "सत्य की धार्मिकता, और पवित्रता में"

"**धार्मिकता**, **पवित्रता** और **सत्य** ये शब्द भाववाचक संज्ञा हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""यथार्थ में धर्मी और पवित्र""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:24 (#2)

"नये मनुष्यत्व को पहन लो"

पौलुस जीवन शैली को इस प्रकार व्यक्त करता जा रहा है कि जैसे वह कोई मनुष्य है और यह भी कि वह वस्त्र स्वरूप है जिससे कि नए मनुष्य को कोई बागे के सदृश्य **पहन** सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "नए मनुष्य हो जाओ" या "नई जीवन शैली में जीना आरंभ कर दो"

देखें: रूपक

इफिसियों 4:25 (#1)

"इस कारण"

यह संयोजक शब्द, **इस कारण**कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि परमेश्वर ने विश्वासियों को नया, पवित्र जन रच दिया है। परिणाम यह है कि वे अपने पहले के जीवन का अनैतिक व्यवहार त्याग दें। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 4:25 (#2)

"झूठ" - "छोड़कर"

"झूठ बोलने को पौलुस इस प्रकार कह रहा है कि जैसे वे वस्तुएँ हैं जिन्हें विश्वासी रद्द कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अब कभी झूठ नहीं बोलना" या ""झूठ बोलने की अपेक्षा""

इफिसियों 4:25 (#3)

"बोलना" - "सच बोले"

सच भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "सच बोला करें"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:25 (#4)

"क्योंकि"

यह संयोजक शब्द, **इस कारण** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि विश्वासी मसीह की एक ही देह के सदस्य हैं। परिणाम यह है कि विश्वासी आपस में सच बोलें। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 4:25 (#5)

"हम" - "एक दूसरे" - "अंग हैं"

"यहाँ पौलुस विश्वासियों की पारस्परिक घनिष्ठ एकता को इस प्रकार व्यक्त करता है कि उनमे तो हर एक जन एक ही देह का अंग है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हम एक दूसरे के हैं"" या ""हम सब परमेश्वर के परिवार के सदस्य हैं""

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 4:26 (#1)

"क्रोध तो करो, पर पाप मत करो"

""तुम क्रोधित हो सकते हो, परन्तु पाप नहीं करना" या ""यदि तुम क्रोधित हो जाते हो, तो पाप न करो""

इफिसियों 4:26 (#2)

"सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे"

"सूर्य का अस्त होना रात होने, या दिन के समाप्त होना का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हें रात होने से पहले, अपने क्रोध को शान्त करना आवश्क है"" या ""दिन के समाप्त होने से पहले अपने गुस्से का त्याग कर दो""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 4:27 (#1)

"और न शैतान को अवसर दो"

“और शैतान को अवसर न दो कि कहीं वह तुम्हे पाप में गिराने पाए”

इफिसियों 4:28 (#1)

"वरन्"

यह संयोजक उक्ति,**वरन्** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। पूर्वकालिक चोर को कठोर परिश्रम करना है कि अन्यों के साथ बाँटने के लिए उसके पास कुछ हो, यह उसके द्वारा अपने लिए चोरी करने की विषमता में है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 4:28 (#2)

"कि"

यह संयोजक उक्ति, **इसलिए कि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। किसी को अपने हाथों से परिश्रम करने का लक्ष्य या उद्देश्य यह होता है कि वह दूसरों की आवश्यकताओं को पूरा कर पाए।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 4:29 (#1)

"गंदी बात"

यह उस भाषा को संदर्भित करती है जो क्रूर या रूखी होती है।

इफिसियों 4:29 (#2)

"पर"

यह संयोजक शब्द, **पर** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। अभद्र भाषा बोलना दूसरों के विकास हेतु अच्छी बातें बोलने के विपरीत है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 4:29 (#3)

"उन्नति के लिये"

""“प्रोत्साहित करने के लिए” या ""सामर्थी बनाने के लिए""""

इफिसियों 4:29 (#4)

"वही"

यह संयोजक उक्ति, **ताकि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। अन्यों के विकास हेतु शब्दोच्चारण का लक्ष्य या उद्देश्य है कि शब्दों को सुनने वालों पर अनुग्रह हो।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 4:29 (#5)

"आवश्यकता के अनुसार वही निकले" - **"उससे सुननेवालों पर अनुग्रह हो"**

“जरूरतमंद। इस प्रकार तुम उनकी सहायता करोगे जो तुम्हे सुनते हैं”

इफिसियों 4:29 (#6)

"वही निकले" - **"उससे सुननेवालों पर अनुग्रह हो"**

अनुग्रह भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: “जिससे कि तुम्हें सुनने वाले आत्मिकता में प्रोत्साहित हों”

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:30 (#1)

"शोकित मत करो"

""“हताश न हो” या ""परेशान न हो""""

इफिसियों 4:30 (#2)

"जिससे तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है"

"पवित्र आत्मा विश्वासियों को विश्वास दिलाता है कि परमेश्वर उनका उद्धार करेगा। पौलुस पवित्र आत्मा के विषय इस प्रकार कहता है कि जैसे वह एक ऐसा चिन्ह है जिसे परमेश्वर विश्वासियों पर लगा देता है, यह दिखाने के लिए कि वह उनका मालिक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि वह एक छाप है जो तुम्हें विश्वास दिलाती है कि परमेश्वर तुम्हें छुटकारे के दिन छुड़ाएगा"" या ""क्योंकि वही है जो तुम्हें आश्वासन दिलाता है कि परमेश्वर तुम्हें छुटकारे के दिन छुड़ाएगा""

देखें: रूपक

इफिसियों 4:30 (#3)

"जिससे तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है"

इसे कर्ताप्रधान रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उसने मुक्ति के दिन के लिए तुम पर मोहर लगा दी है"

देखें: रूपक

इफिसियों 4:31 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस अपने निर्देशों के समापन में कहता है कि विश्वासियों को क्या नहीं करना चाहिए और अंत में कहता है कि उन्हें क्या करना चाहिए।

इफिसियों 4:31 (#2)

"दूर की जाए"

"पौलुस स्वभाव और व्यवहार के विषय इस प्रकार कहता है जैसे वे भौतिक वस्तुएँ हों जिन्हें हटाया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हें नहीं होने देना है... अपने जीवन का भाग"

देखें: रूपक

इफिसियों 4:31 (#3)

"कड़वाहट और प्रकोप और क्रोध"

"ये भाववाचक संज्ञा शब्द है जिन्हें विशेषण रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कड़वाहट भरा होना, और भयंकर क्रोध करना, और क्रोध करना""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:31 (#4)

"बैर-भाव"

द्वेष भाववाचक संज्ञा है जिसे विशेषण रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "द्वेषपूर्ण होना"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 4:32 (#1)

"और"

यह संयोजक शब्द, **वरन्** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। आपस में क्रोध और कड़वाहट भरी बातें करना दयालु और मधुर वचन बोलने के विपरीत है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 4:32 (#2)

"करुणामय"

"दूसरों के प्रति कोमल एवं करुणामय होना"

इफिसियों 5:1 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस विश्वासियों को बताना जारी रखता है कि उन्हें परमेश्वर की संतान के रूप में कैसे रहना चाहिए और कैसे नहीं रहना चाहिए।

इफिसियों 5:1 (#2)

"इसलिए" - "परमेश्वर का अनुसरण करो"

"**नकल करने वाले** यह एक क्रियार्थक संज्ञा है और इसका अनुवाद क्रिया में किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""इसलिए परमेश्वर की नक़ल करो"" या ""इसीलिए तुम्हें वही करना चाहिए जो परमेश्वर करता है।"""

इफिसियों 5:1 (#3)

"इसलिए"

यह संयोजक शब्द, **इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण (इफिसियों 4:32 में व्यक्त) यह है कि परमेश्वर ने मसीह के द्वारा हमें क्षमा कर दिया है। परिणाम (यहाँ प्रकट है) यह है कि परमेश्वर कैसा है, उसका विश्वासियों को अनुकरण करना है। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:1 (#4)

"प्रिय बच्चों के समान"

"परमेश्वर चाहता है कि हम उसकी नकल या अनुसरण करें क्योंकि हम उसकी आत्मिक सन्तान हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""जैसे अति प्रिय बच्चे अपने पिताओं की नकल करते हैं"" या ""क्योंकि तुम उसके बच्चे हो और वह तुम से बहुत अधिक प्रेम रखता है""

देखें: उपमा

इफिसियों 5:2 (#1)

"प्रेम में चलो"

"चलना किसी व्यक्ति के जीवन जीने की धारणा को व्यक्त करने का एक सामान्य तरीका है। वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रेम का जीवन जियो"" या ""हमेशा एक दूसरे से प्रेम करो""

देखें: रूपक

इफिसियों 5:2 (#2)

"सुखदायक सुगन्ध" - "परमेश्वर के आगे भेंट करके बलिदान" - "दिया"

"हमारे पापों के लिए मसीह के क्रूस पर मरने की तुलना इस रूपक के द्वारा पुराने नियम में पापों की बलि से की गई है, जिन्हे आग में फेका जाता था और उससे मनमोहक सुगंध उठती थी। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के लिए मनमोहक सुगंध वाली भेंट और बलि के तुल्य"" या ""परमेश्वर के लिए एक भेंट और बलि जिसने परमेश्वर को अत्यधिक प्रसन्न किया"" देखें यूएसटी

देखें: रूपक

इफिसियों 5:3 (#1)

"जैसा" - "तुम में व्यभिचार, और किसी प्रकार के अशुद्ध काम, या लोभ की चर्चा तक न हो"

"इस को कर्ताप्रधान रूप में व्यक्त किया जा सकता है:.""ऐसा कुछ मत करो जो किसी को सोचने पर विवश करे कि तुम योनाचार की अनैतिकता के या किसी भी प्रकार की अशुद्धता या लोभ के दोषी हो"" (देखें:[[rc://hi/ta/man/translate/figs-activepassive]])"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 5:3 (#2)

"जैसा"

यह संयोजक शब्द, **परन्तु** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। परमेश्वर के लिए मनमोहक सुगंध की भेंट और बलि पवित्र जनों के लिए अनुपयुक्त पापी कामों और विचारों के विपरीत हैं। ऐसा संयोजक शब्द काम में लें जो आपकी भाषा में विषमता दर्शाता है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 5:3 (#3)

"किसी प्रकार के अशुद्ध काम"

“कैसी भी नैतिक अशुद्धता”

इफिसियों 5:4 (#1)

"वरन् धन्यवाद ही सुना जाए"

"**धन्यवाद** एक क्रियार्थक संज्ञा शब्द है, और इसका अनुवाद क्रिया रूप में किया जा सकता है: ""उन बातों की अपेक्षा तुम्हें परमेश्वर को धन्यवाद देना चाहिए"""

इफिसियों 5:4 (#2)

"वरन्"

यह संयोजक उक्ति, **परन्तु इसकी अपेक्षा** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। पापे से भरे हुए काम और विचार परमेश्वर को धन्यवाद देने के विपरीत है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक शब्द काम में लें जो विषमता का संकेत दे।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 5:5 (#1)

"अशुद्ध जन"

यहाँ शब्द अशुद्ध (गंदगी) एक रूपक है जो पापमय होने का बोध कराता है।

देखें: रूपक

इफिसियों 5:5 (#2)

"की," - **"विरासत नहीं"**

"परमेश्वर ने विश्वासियों से जो वादा किया है उसे प्राप्त करने को ऐसे कहा गया है जैसे परिवार के किसी सदस्य से सम्पत्ति और धन विरासत में पाना हो। वैकल्पिक अनुवाद: ""कुछ नहीं पाओगे"" या ""कोई भाग नहीं है"" देखें यूएसटी

देखें: रूपक

इफिसियों 5:6 (#1)

"व्यर्थ बातों से"

""शब्द जिनमें कोई सच्चाई नहीं है" या ""शब्द जो सच नहीं हैं"""

इफिसियों 5:6 (#2)

"क्योंकि"

यह संयोजक शब्द, **क्योंकि** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण पहले दिया गया है: इफिसुस के विश्वासी किसी को अवसर न दें कि उनको व्यर्थ बातों से धोखा दे। तब कारण बताया गया है: परमेश्वर का क्रोध उन पर भड़केगा। ऐसी उक्ति को काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है और आपकी भाषा में अत्यधिक सामान्य है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:6 (#3)

"परमेश्वर का क्रोध" - **"पर भड़कता है"**

क्रोध भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर निश्चय ही दंड देगा"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 5:6 (#4)

"आज्ञा न माननेवालों"

यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, "मनुष्य जो स्वभाव से ही अवज्ञाकारी हैं" या "मनुष्य जिनका चरित्र चित्रण ही अवज्ञा है" वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं"

देखें: मुहावरा

इफिसियों 5:7 (#1)

"इसलिए"

यह संयोजक उक्ति, **इसलिए** कारण-परिणाम सम्बंध को परिचित कराता है। कारण यह है कि परमेश्वर उन लोगों को अपने क्रोध में दंड देगा। परिणाम यह है कि इफिसुस के विश्वासियों को दुष्ट जनों के साथ सहभागी नहीं होना है। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जों कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:8 (#1)

"क्योंकि तुम तो पहले अंधकार थे"

"जिस प्रकार मनुष्य अन्धकार में देख नहीं सकता उसी प्रकार पाप करने के प्रेमी लोग परमेश्वर की बातों को देख नहीं सकते और समझ नहीं सकते। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि पहले तुम परमेश्वर के बारे में कुछ नहीं समझते थे"" देखें यूएसटी

देखें: रूपक

इफिसियों 5:8 (#2)

"क्योंकि"

यह संयोजक उक्ति, **क्योंकि** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। परिणाम पहले बताया गया है (पद7): इफिसुस के विश्वासियों को दुष्ट जनों के साथ सहभागी नहीं होना है। कारण बाद में (पद 8) में कहा गया है: इफिसुस के विश्वासी अब अंधे नहीं रहे हैं, अब वे ज्योति हैं। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ है और आपकी भाषा में अत्यधिक सामान्य है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:8 (#3)

"परन्तु अब प्रभु में ज्योति हो"

"जिस प्रकार एक व्यक्ति प्रकाश में देख सकता है, उसी प्रकार जिन लोगों को परमेश्वर ने बचाया है वे परमेश्वर को प्रसन्न करने की समझ रखते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु अब तुम परमेश्वर को जानते हो और उसके लिए जी सकते हो""

देखें: रूपक

इफिसियों 5:8 (#4)

"परन्तु"

यह संयोजक शब्द, **परन्तु** विषमता का सम्बन्ध को परिचित कराता है। यह तथ्य कि इफिसुस के विश्वासी पहले अंधे थे उस तथ्य की विषमता में है कि वे अब ज्योति हैं।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 5:8 (#5)

"अतः ज्योति की सन्तान के समान चलो"

"मार्ग में चलना मनुष्य की जीवन शैली के लिए एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसे लोगों के समान जियो जो समझते हैं कि प्रभु उनसे क्या करवाना चाहता है""

देखें: रूपक

इफिसियों 5:8 (#6)

"ज्योति की सन्तान के समान"

परमेश्वर की इच्छा है कि हम उसका अनुसरण करें क्योंकि हम उसकी आत्मिक संतान हैं। वैकल्पिक अनुवाद: परमेश्वर की संतान होने के कारण जो सत्य की पहचान रखते हैं" या "क्योंकि तुम परमेश्वर की संतान हो और सत्य को समझते हो"

देखें: उपमा

इफिसियों 5:9 (#1)

"ज्योति का फल सब प्रकार की भलाई, और धार्मिकता, और सत्य है"

"**फल** यहाँ ""प्रतिफल"" या ""परिणाम"" के लिए एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""ज्योति में जीवन जीने का अर्थ है, अच्छे काम करना, खरा जीवन,और सच्चा व्यवहार"

देखें: रूपक

इफिसियों 5:9 (#2)

"क्योंकि"

यह संयोजक शब्द, **क्योंकि** कारण-परिणाम सम्बन्ध के कारण को परिचित कराता है। कारण यह है कि ज्योति का फल भलाई और धार्मिकता और सत्य है। परिणाम यह है कि इफिसुस के विश्वासी ज्योति की संतान स्वररूप आचरण रखें. अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:11 (#1)

"अंधकार के निष्फल कामों में सहभागी न हो"

"पौलुस अविश्वासयों द्वारा किये जाने वाले निकम्मे और पापी कार्यों के बारे में ऐसे कहता है कि मानो वे ऐसे बुरे कर्म हैं जिन्हें लोग अंधेरे में करते हैं कि कोई उन्हें न देख सके। वैकल्पिक अनुवाद: ""अविश्वासियों के साथ निकम्मे, पापी कार्यों को मत करो""

देखें: रूपक

इफिसियों 5:11 (#2)

"निष्फल कामों में"

"यहाँ पौलुस बुरे कामों कि तुलना एक निकम्मे पेड़ से करता है जो कुछ भी अच्छा उत्पन्न नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कार्य जिनमें कुछ भी अच्छा,उपयोगी, या लाभकारी"" नहीं है

देखें: रूपक

इफिसियों 5:11 (#3)

"अंधकार के निष्फल कामों में"

शब्द **अन्धकार** अधिकतर पाप का प्रतिनिधित्व करता है। इस परिदृश्य में, ये कार्य पापी प्रयोजनों का परिणाम हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कार्य जो निकम्मे हैं क्योंकि वे पापी प्रयोजनों से किए गए थे"

देखें: रूपक

इफिसियों 5:11 (#4)

"वरन्" - "पर"

यह संयोजक उक्ति,**वरन्**विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। अन्धकार के कामों में सहभागी होना उनको उजागर करने के विपरीत है। (देख:[[rc://hi/ta/man/translate/grammar-connect-logic-contrast]])

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 5:11 (#5)

"उलाहना दो"

"अंधकार के कार्यों के विरुद्ध बोलने को ऐसे व्यक्त किया गया है कि जैसे उन्हें प्रकाश में लाया जा रहा है कि मनुष्य उन्हें देख पाए। वैकल्पिक अनुवाद: ""उन्हें प्रकाश में लाना"" या ""उन्हें उजागर करना"" या ""लोगों को दिखाना और बताना कि ये कार्य कितने गलत हैं""

देखें: रूपक

इफिसियों 5:12 (#1)

"उनके"

उनके का सन्दर्भ **अवज्ञा के पुत्रों** से है जिनकी चर्चा 5:6 में की गई है और 5:7 में उन्हें शब्द **उनके** द्वारा संदर्भित किया गया है। यदि स्पष्ट न हो कि दोनों स्थानों में **उनके** का सन्दर्भ किससे है तो उनके स्थानों पर "वे जो परमेश्वर की अवज्ञा करते हैं" या ऐसा ही कोई वाक्यांश काम में लिया जा सकता है।

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

इफिसियों 5:13 (#1)

""

General Information:\n\nयह अज्ञात है कि यह उद्धरण यशायाह भविष्यद्वक्ता के उद्धरणों का संयोजन है या विश्वासियों द्वारा गाए गए किसी एक भजन का उद्धरण है।

इफिसियों 5:13 (#2)

"पर"

यह संयोजक शब्द, **पर** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। इस समय अन्धकार के लज्जाजनक कामों को छिपाना उत्तरकाल में ज्योति द्वारा उनको उजागर किए जाने के विपरीत है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 5:13 (#3)

"सब कुछ को प्रगट करता है, वह ज्योति है"

पौलुस के इस सामान्य कथन का अभिप्रेत अर्थ है कि परमेश्वर का वचन मनुष्य के कामों को प्रकट करता है कि वे अच्छे हैं या बुरे हैं। बाइबल अधिकतर परमेश्वर के सत्य का इस प्रकार वर्णन करती है कि मानो वह ज्योति है जो किसी का चरित्र प्रकट कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तुम हर एक बात की तुलना परमेश्वर के वचन से करो तो तुम समझ पाओगे कि वह अच्छा है या बुरा" देखें यूएसटी

देखें: रूपक

इफिसियों 5:14 (#1)

"इस कारण"

यह संयोजक शब्द, **इस कारण** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि उनके पाप ज्योति द्वारा प्रकट किए जाएंगे। परिणाम यह है कि पापी मसीह को उनके ऊपर चमकने दें। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:14 (#2)

""हे सोनेवाले जाग"

सम्भावित अर्थ हैं: (1) पौलुस विश्वासियों को संबोधित कर रहा है और उनकी आत्मिक दुर्बलताओं के क्षेत्रों के लिए मृत्यु को एक रूपक स्वरुप काम में ले रहा है कि वे उनके प्रति सचेत हों और उनका परित्याग करें, या (2) पौलुस अविश्वासियों को संबोधित कर रहा है कि उन्हें आत्मिक रूप से मरे हुए होने से जी उठने की आवश्यकता है, ठीक वैसे ही जैसे एक मरे हुए व्यक्ति को प्रतिक्रिया दिखाने के लिए जीवित होना पड़ता है। देखें यूएसटी

देखें: अपस्ट्रॉफ़

इफिसियों 5:14 (#3)

"हे सोनेवाले"

पौलुस इस टिपण्णी को सीधा संबोधित करता है (1) उन विश्वासियों को जो इस पत्र को पढ़ रहे हैं या सुन रहे हैं, या (2) उन अविश्वासियों को जो नहीं हैं।

देखें: अपस्ट्रॉफ़

इफिसियों 5:14 (#4)

"मुर्दों में से"

""उन सब लोगों में से जो मर गए हैं।" यह अभिव्यक्ति अधोलोक में सब मृत लोगों का एक साथ वर्णन करती है। उनमें से उठना फिर से जीवित होने की बात करता है और यह आत्मिक रूप से जीवित होने और परमेश्वर के लिए जीने का रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उनमें से जो आत्मिकता में मृतक हैं""

देखें: रूपक

इफिसियों 5:14 (#5)

"तुझ" - "चमकेगी"

यहाँ **तुझ** का सन्दर्भ **सोनेवाले** से है और यह शब्द एकवचन में है।

देखें: 'आप' के रूप

इफिसियों 5:14 (#6)

"मसीह की ज्योति तुझ पर चमकेगी"

"मसीह एक अविश्वासी को यह समझने में सक्षम करेगा कि उसके कर्म कितने बुरे हैं और मसीह कैसे उसे क्षमा करेगा और नया जीवन देगा, ठीक वैसे ही जैसे प्रकाश दिखा देता है कि वहाँ क्या है जिसे अन्धकार ने छिपा रखा था। यह उस हर एक बात के प्रसंग में भी है जिसे विश्वासी ने अब तक नहीं पहचाना है कि वह पाप है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह तुम को दिखाएगा कि उचित क्या है""

देखें: रूपक

इफिसियों 5:15 (#1)

"ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो; निर्बुद्धियों के समान नहीं पर बुद्धिमानों के समान चलो"

"निर्बुद्धि लोग स्वयं को पाप से नहीं बचाते हैं। परन्तु बुद्धिमान लोग पाप की पहचान कर सकते हैं और उससे बचकर भाग सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""इसलिए सावधान रहो कि तुम मुर्ख मनुष्य की अपेक्षा बुद्धिमान मनुष्य के समान जीओ""""

इफिसियों 5:15 (#2)

"इसलिए"

यह संयोजक शब्द, **इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध को परिचित कराता है। कारण यह है कि मसीह ने उस पर ज्योति चमकाई है। परिणाम यह है कि पापी ज्योति में सावधानीपूर्वक चलेगा। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:15 (#3)

"पर"

यह संयोजक शब्द, **पर** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। निर्बुद्धि होना बुद्धिमान होने के विपरीत है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 5:15 (#4)

"बुद्धिमानों के समान चलो"

क्रिया शब्द "चलो" को छोड़ दिया गया है। इसे स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमान के सामान चलो"

देखें: विराम बिंदु

इफिसियों 5:16 (#1)

"और अवसर को बहुमूल्य समझो"

"समय का बुद्धिमानी से उपयोग करने को ऐसे कहा गया है जैसे कि वह समय को बचाना हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने समय के साथ सबसे अच्छी चीजें करना जो तुम कर सकते हो"" या ""समय का बुद्धिमानी से उपयोग करो"" या ""समय का सबसे अच्छा उपयोग करो""

देखें: रूपक

इफिसियों 5:16 (#2)

"क्योंकि दिन बुरे हैं"

"शब्द **दिन** लाक्षणिक प्रयोग है जिसका उपयोग उन दिनों में मनुष्यों द्वारा किये गए कामों से है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि तुम्हारे आस-पास के लोग हर तरह के बुरे काम लगातार किये जा रहे हैं। और अच्छे काम करने के अवसर जो तुम्हारे पास होंगे वे थोड़े ही रह जायेंगे""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 5:16 (#3)

"क्योंकि"

यह संयोजक शब्द **इसलिए** कारण-सम्बन्ध के कारण को परिचित कराता है। कारण यह है कि दिन बुरे हैं। परिणाम यह है कि विश्वासी समय को बहुमूल्य समझें। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:17 (#1)

"इस कारण" - "कि"

यह संयोजक शब्द, **इस कारण** कारण-परिणाम के कारण को परिचित कराता है। कारण यह है कि दिन बुरे हैं। परिणाम यह है कि विश्वासी मूर्ख न हों, परन्तु परमेश्वर की इच्छा को जानें। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:17 (#2)

"पर"

यह संयोजक शब्द, **पर** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। मूर्ख होना परमेश्वर की इच्छा को जानने के विपरीत है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 5:18 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस इस विषय पर अपने निर्देशों को समाप्त करता है कि सभी विश्वासियों को कैसे जीना चाहिए।

इफिसियों 5:18 (#2)

"और दाखरस से मतवाले न बनो"

"तुम को दाखरस पीकर मतवाले नहीं होना चाहिए"

इफिसियों 5:18 (#3)

"क्योंकि" - "लुचपन होता है"

उतावलापन भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उतावला व्यवहार करवाती है" या "क्योंकि वह तुमको नष्ट कर देगी"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 5:18 (#4)

"इससे" - "पर पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ"

"इसकी अपेक्षा, तुम्हें पवित्र आत्मा के द्वारा नियंत्रित होना चाहिए"

इफिसियों 5:18 (#5)

"इससे"

यह संयोजक शब्द,**पर** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। मतवाले होना आत्मा से परिपूर्ण होने के विपरीत है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 5:19 (#1)

"भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत"

"सम्भावित अर्थ हैं (1) पौलुस इन शब्दों का उपयोग ""परमेश्वर की स्तुति करने के लिए सभी प्रकार के गीतों" के लिए एक विभज्योतक के रूप में कर रहा है या (2) पौलुस संगीत के विशिष्ट रूपों को सूचीबद्ध कर रहा है।

देखें: मेरिस्म

इफिसियों 5:19 (#2)

"भजन"

ये सम्भवतः पुराने नियम की भजन संहिता पुस्तक के गीत हैं जिन्हें मसीही लोग गाते थे।

इफिसियों 5:19 (#3)

"स्तुतिगान"

ये स्तुति और आराधना के गीत हैं जो विशेष रूप से मसीहियों द्वारा गाने के लिए लिखे गए होंगे।

इफिसियों 5:19 (#4)

"आत्मिक गीत"

सम्भावित अर्थ हैं (1) ये ऐसे गीत हैं जो पवित्र आत्मा किसी व्यक्ति को ठीक उसी क्षण गाने के लिए प्रेरित करता है या (2) **आत्मिक गीत** और **भजन** युग्मक हैं। इनका अर्थ मूल रूप से एक ही है, आप इनके लिए दो के स्थान में एक ही शब्द काम में ले सकते हैं।

देखें: युग्म

इफिसियों 5:19 (#5)

"अपने मन में"

"**मन** यहाँ मनुष्य के विचारों या भीतरी मनुष्यत्व के लिए एक लाक्षणिक प्रयोग है। इस वाक्यांश, ""अपने मन में "" का अर्थ या तो यह है (1) सच्ची मंशा और सत्यनिष्ठा के साथ"" वैकल्पिक अनुवाद: ""अपने व्यक्तित्व की गहराई से"" या ""सत्यनिष्ठा में" या उत्साह से, वैकल्पिक अनुवाद: ""अपने पूरे जी जान से"" या ""बड़े जोश के साथ"" देखें यूएसटी

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 5:20 (#1)

"हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से"

"यहाँ ""नाम"" स्वयं यीशु के सन्दर्भ में हो सकता है, वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के हो"" या (2) यीशु मसीह के अधिकार के, वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारे प्रभु यीशु मसीह के अधिकार के साथ""

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 5:20 (#2)

"और" - "परमेश्वर पिता"

"परमेश्वर का, जो हमारा पिता है।

इफिसियों 5:22 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस मसीहियों को समझाना आरम्भ करता है कि उन्हें कैसे एक दूसरे के अधीन रहना है (इफिसियों 5:21)। वह पत्नियों और पतियों के लिए निर्देश के साथ शुरू करता है कि उन्हें एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार रखना चाहिए।

इफिसियों 5:23 (#1)

"क्योंकि"

यह संयोजक शब्द, **क्योंकि** कारण-परिणाम सम्बन्ध के कारण को परिचित कराता है। कारण यह है कि पति उसी प्रकार पत्नी का सिर है जिस प्रकार मसीह कलीसिया का सिर है। परिणाम यह है कि पत्नियाँ अपने-अपने पति के अधीन रहें। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:23 (#2)

"पत्नी का सिर" - "कलीसिया का सिर है"

यहाँ शब्द **सिर** अगुवे का प्रतिनिधित्व करता है।

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 5:23 (#3)

"देह का"

कलीसिया को अक्सर अधिकतर मसीह की देह कहा जाता है।

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 5:25 (#1)

""

"# General Information:\n\n""यहाँ शब्द """"स्वयं""""" और """"वह""""" मसीह को सन्दर्भित करते हैं। शब्द """"उसके""""" कलीसिया को सन्दर्भित करता है।"""

इफिसियों 5:25 (#2)

"पत्नी से प्रेम रखो"

यहाँ पति के लिए "प्रेम" का अर्थ है, पत्नि द्वारा निःस्वार्थ सेवा के निमित्त निःस्वार्थ सर्वोत्तम व्यवहार या पत्नियों से प्रेम करना।

इफिसियों 5:25 (#3)

"अपने आप को" - **"दे दिया"**

"लोगों को उसे मार डालने भी दिया"

इफिसियों 5:25 (#4)

"उसके लिये"

"पौलुस विश्वासियों की सभा को एक स्त्री के समान बताता है जिससे मसीह विवाह करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारे लिए"" (देखे:[[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])"

देखें: रूपक

इफिसियों 5:26 (#1)

"कि"

यह संयोजक उक्ति, **कि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। मसीह द्वारास्वयं को मरने के लिए दे देने का लक्ष्य या उद्देश्य है कि कलीसिया को पवित्र बनाना।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 5:26 (#2)

"उसको" - **"शुद्ध करके पवित्र बनाए"**

"पौलुस विश्वासियों की सभा को एक स्त्री के समान बताता है जिससे मसीह विवाह करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमें पवित्र करता है ... हमें शुद्ध करने के द्वारा"

देखें: रूपक

इफिसियों 5:26 (#3)

"वचन के द्वारा जल के स्नान से शुद्ध करके"

संभावित अर्थ हैं (1) पौलुस परमेश्वर द्वारा मसीह के लोगों का सुसमाचार में परमेश्वर के वचन के प्रचार और ग्रहण करने तथा मसीह में जल के बपतिस्मे के द्वारा शुद्ध होने के सन्दर्भ में कह रहा है, या (2) परमेश्वर के हमें सन्देश के द्वारा पापों से आत्मिक शुद्धता प्रदान करता है तो पौलुस इसे ऐसे कहता है कि जैसे परमश्वर हमारे शरीरों को पानी से धोकर शुद्ध कर रहा हो।

देखें: रूपक

इफिसियों 5:27 (#1)

"और"

यह संयोजक शब्द,**जिससे कि**लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। वचन के द्वारा कलीसिया को शुद्ध करने में मसीह का लक्ष्य या उद्देश्य है कि कलीसिया को अपने लिए एक महिमामय वधु के सामान उपस्थित करे।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 5:27 (#2)

"जिसमें न कलंक, न झुर्री"

"पौलुस कलीसिया को एक वस्त्र के समान बताता है जो साफ और उत्तम स्थिति में है। वैकल्कपिक अनुवाद: ""किसी प्रकार का दोष न हो"""

देखें: रूपक

इफिसियों 5:27 (#3)

"जिसमें न कलंक, न झुर्री"

कलंकऔर **झुर्री**दोष के ही विचार को दो रूप में प्रकट करते हैं कि कलीसिया की शुद्धता पर बल दिया जाए। यदि आपकी भाषा में दो अलग-अलग शब्द न हों तो एक ही शब्द का उपयोग किया जा सकता है।

देखें: युग्म

इफिसियों 5:27 (#4)

"वरन्"

यह संयोजक शब्द, **वरन्** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। कलिसिया पर पाप के कलंक और झुर्र⍰⍰याँ कलीसिया के पवित्र और निर्दोष होने के विपरीत है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 5:27 (#5)

""

यह संयोजक शब्द, **जिससे कि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। कलीसिया को धोने में मसीह का लक्ष्य या उद्देश्य है कि कलीसिया को पवित्र और निर्दोष बनाए।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 5:27 (#6)

"पवित्र और निर्दोष हो"

निर्दोष का अर्थ मूल रूप से वही है जो **पवित्र** का है। कलीसिया की पवित्रता पर जोर देने के लिए पौलुस इन दोनों शब्दों का उपयोग करता है। यदि आपकी भाषा में दो अलग अलग शब्द नहीं है तो आप एक ही शब्द का उपयोग कर सकते है।

देखें: युग्म

इफिसियों 5:28 (#1)

"देह के समान" - **"जो"** - **"वह"**

"कि लोग अपने शरीरों से प्रेम करते हैं इसको स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे पति अपने अपने शरीर से प्रेम करते हैं।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 5:29 (#1)

"क्योंकि" - **"वरन्"** - **"करता"**

"वरन् वह पालन-पोषण करता है"

इफिसियों 5:29 (#2)

"क्योंकि" - **"वरन्"**

यह संयोजक शब्द, **वरन** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। अपने शरीर से घृणा करना उसके पालन-पोषण के विपरीत है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 5:30 (#1)

"इसलिए कि"

यह संयोजक शब्द,**इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध के कारण को परिचित कराता है। कारण यह है कि कलीसिया मसीह की देह है। परिणाम यह है कि मसीह कलीसिया की सुधि लेता है। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 5:30 (#2)

"हम उसकी देह के अंग हैं"

यहाँ पौलुस मसीह के साथ विश्वासियों के घनिष्ठ सम्बन्ध को ऐसे व्यक्त करता है। जैसे कि वे उसकी ही देह के अंग हों, जिसकी वह स्वाभाविक रूप से देखभाल करेगा।

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 5:31 (#1)

""

General Information:\n\nयह उद्धरण पुराने नियम में मूसा के लेखों से है।

इफिसियों 5:31 (#2)

""

General Information:\n\n**वह** और **वह स्वयं** ये दोनों शब्द विश्वासी पुरुष के सन्दर्भ में हैं जो विवाह करता है।

इफिसियों 5:31 (#3)

"इस कारण"

यह वाक्यांश, **इस कारण** कारण-परिणाम के परिणाम को परिचित कराता है। इस स्थिति में, यह वाक्यांश उत्पत्ति 2:24

के संदर्भ का अंश है, इसलिए कारण का उल्लेख नहीं किया गया है, परन्तु उत्पत्ति 2:23 में है कि स्त्री पुरुष में से रची गई थी। \nपरिणाम यह है कि पुरुष अपने माता-पिता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा। यदि कारण का उल्लेख करना उलझन का कारण हो तो आप एक पाद टिप्पणी लिख सकते हैं, “इसका कारण यह है कि स्त्री पुरुष में से रची गई थी। देखें उत्पत्ति 2:23”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 6:1 (#2)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस अब भी समझा ही रहा है कि मसीही जन कैसे एक दूसरे के अधीन रहें। वह संतानों को, पिताओं को, दासों को, और स्वामियों को निर्देश देता है।

इफिसियों 6:1 (#3)

"प्रभु में"

""“क्योंकि तुम प्रभु के हो” या ""प्रभु के अनुयायी होने के कारण"""

इफिसियों 6:1 (#4)

"क्योंकि"

यह संयोजक शब्द, **क्योंकि** कारण-सम्बन्ध के कारण को परिचित कराता है। कारण यह है कि संतान वह करें जो उचित है। परिणाम यह है कि संतान अपने माता पिता का सम्मान करें। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 6:1 (#1)

""

General Information:\n\nपहले पद में आज्ञा बहुवचन में है। तदोपरांत पद दो और तीन में पौलुस मूसा की व्यवस्था से उद्धरण देता है। मूसा इस्राएल के लोगों से ऐसे बात कर रहा था कि जैसे वे एक व्यक्ति हों, इसलिए **तुम्हारे** और **तुम** एकवचन में हैं। यदि यह सुझाव सार्थक न हो तो आपको उन्हें बहुवचन में अनुवाद करना होगा।

देखें: 'आप' के रूप

इफिसियों 6:3 (#1)

"कि"

यह संयोजक शब्द **कि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। माता पिता की आज्ञा मानने का लक्ष्य या उद्देश्य है कि पृथ्वी पर उनका भला हो और वे बहुत दिन जीवित रहें।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 6:4 (#1)

"अपने बच्चों को रिस न दिलाओ"

""“अपने बच्चों को क्रोधित न करो” या ""अपने बच्चों के लिए क्रोध का कारण उत्पन्न न करो"""

इफिसियों 6:4 (#2)

"परन्तु"

यह संयोजक शब्द, **परन्तु** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। पिताओं का अपनी संतान के लिए क्रोध का कारण उत्पन्न करना अपनी संतान को अनुशासन और निर्देशनों में पालन करने के विपरीत है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 6:4 (#3)

"प्रभु की शिक्षा, और चेतावनी देते हुए, उनका करो"

"भाववाचक संज्ञाओं **अनुशासन** और **निर्देश** इन शब्दों को क्रियाओं के रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "" उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए वयस्क बनना सिखाएँ कि वे जानते हैं और वही करते हैं जो प्रभु उन्हें करना चाहते हैं""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:5 (#1)

"डरते, और काँपते"

"**भय और काँपते हुए** इस उक्ति में दो समानार्थक विचारों को काम में लिया गया है कि उनके स्वामियों के सम्मान के

महत्व पर बल दिया जाए। वैकल्पिक अनुवाद: ""गहन सम्मान के साथ""

देखें: युग्म

इफिसियों 6:5 (#2)

"और काँपते"

"यहाँ **काँपना** एक अतिशयोक्ति है जो इस बात पर जोर देने के लिए उपयोग की गई है कि दासों द्वारा उनके स्वामियों का आज्ञापालन कैसा महत्वपूर्ण है। वैकल्पिक अनुवाद: ""और गहन सम्मान"" या ""जैसे कि तुम डर से काँप रहे हो""

देखें: अतिशयोक्ति

इफिसियों 6:5 (#3)

"तुम्हारे" - **"अपने मन की सिधाई से"** - **"हुए"**

"यहाँ **मन** मनुष्य के दिमाग या मंशाओं के लिए एक लाक्षणिक प्रयोग है। वैकल्पिक अनुवाद: ""सच्चाई के साथ"" या ""निष्ठा के साथ""

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 6:5 (#4)

"सिधाई से" - **"हुए"**

सच्चाई से भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "निष्कपट होकर" या "निष्ठापूर्वक"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:5 (#5)

"जैसे मसीह की, वैसे ही"

इस स्पष्ट करने के लिए आप यहाँ क्रिया शब्द का भी उपयोग करना चाहेंगे: "जैसे तुम मसीह की आज्ञा मानते हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 6:6 (#1)

"पर"

यह संयोजक शब्द, **पर** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। मनुष्यों को प्रसन्न करने वालों के सामान अपने स्वामियों की आज्ञा मानना, उनकी आज्ञा मानना क्योंकि हम मसीह के दास हैं।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 6:6 (#2)

"मसीह के दासों के समान"

"जैसे कि तुम्हारा सांसारिक स्वामी स्वयं मसीह है"

इफिसियों 6:6 (#3)

"मन से"

"यहाँ **प्राण**, ""मनोवृति "" या ""मंशाओं"" के लिए लाक्षणिक प्रयोग है वैकल्पिक अनुवाद: ""पूरे मन से "" या ""उत्साहपूर्वक""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 6:9 (#1)

"उनके साथ वैसा ही व्यवहार करो"

"**वैसा ही** इसका सन्दर्भ पूर्वोक्त पद, ""यदि वह कोई अच्छा काम करता है"" (इफिसियों 6:8) से है। वैकल्पिक अनुवाद: ""आवश्यक है कि तुम भी अपने दासों के साथ अच्छा व्यवहार करो"" या ""जैसे दासों को अपने स्वामियों का भला करना आवश्यक है वैसे ही तुम्हे भी अपने दासों का भला करना आवश्यक है""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 6:9 (#2)

"हे स्वामियों," - **"क्योंकि जानते हो, कि उनका और तुम्हारा दोनों का स्वामी स्वर्ग में है"**

"तुम जानते हो कि मसीह दासों और उनके स्वामियों, दोनों का स्वामी है और कि वह स्वर्ग में है"

इफिसियों 6:9 (#3)

"हे स्वामियों, तुम भी" - **"स्वामी"** - **"वह किसी का पक्ष नहीं करता"**

“वह सबका निष्पक्ष न्याय करता है”

इफिसियों 6:10 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस विश्वासियों को निर्देश देता है कि वे उस युद्ध में जिसमें हम परमेश्वर की ओर हैं, बलवन्त किए जाएँ।

इफिसियों 6:10 (#2)

"उसकी शक्ति के प्रभाव"

"ये दो शब्द अर्थ में अत्यधिक समानार्थक हैं। एक साथ रखने पर वे एक दूसरे को प्रभावी बनाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""उसकी महान सामर्थ्य"" देखें कि इफिसियों 1:21 के अंत में आपने इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है

देखें: युग्म

इफिसियों 6:11 (#1)

"परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको"

इस रूपक में, पौलुस उन आत्मिक संसाधनों की कल्पना करता है जिन्हें परमेश्वर सब विश्वासियों को एक सैनिक के हथियारों के तुल्य देता है। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे एक सैनिक शत्रु के आक्रमण से बचने के लिए स्वयं को हथियारों से लैस कर लेता है, ठीक वैसे ही शैतान के विरुद्ध दृढ़ता से खड़े रहने के लिए परमेश्वर के सब संसाधनों का उपयोग करो।”

देखें: रूपक

इफिसियों 6:11 (#2)

"युक्तियों के"

“युक्तियों”

इफिसियों 6:12 (#1)

"क्योंकि"

यह संयोजक उक्ति, **क्योंकि** कारण-परिणाम के कारण को परिचित कराता है। कारण यह है कि हम अन्धकार की शक्तिओं के विरुद्ध संघर्ष में हैं। परिणाम यह है कि हमें परमेश्वर के सब हाथियार बान्ध लेना हैं। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 6:12 (#2)

"लहू और माँस से"

"यह अभिव्यक्ति मनुष्यों को संदर्भित करती है न कि आत्माओं को जिनके पास मानवीय देह नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य""

देखें: संकेतन

इफिसियों 6:12 (#3)

"परन्तु"

यह संयोजक शब्द, **परन्तु** विषमता के सम्बन्ध को परिचित कराता है। मांस और लहू में सृजे गए मनुष्य आत्मिक शक्तियों की विषमता में हैं।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

इफिसियों 6:12 (#4)

"शासकों से"

"यहाँ निहितार्थ यह है कि **विश्व-के-शासकों** का सन्दर्भ शक्तिशाली आत्मिक प्राणियों से है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्यों पर शासन करनेवाले शक्तिशाली आत्मिक प्राणियों के विरुद्ध”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 6:12 (#5)

"और इस संसार" - "अंधकार के"

यहाँ **अन्धकार** दुष्टता की बातों के लिए एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: “इस वर्तमान बुरे समय में” (सीखें:[[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 6:13 (#1)

"इसलिए परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो"

विश्वासी को शैतान के सामने दृढ़ता से खड़े रहने के लिए परमेश्वर प्रदत्त सब संसाधनों का उपयोग करना चाहिए, जैसे एक सैनिक शत्रु के आक्रमण से अपना बचाव करने के लिए सुरक्षा कवच पहन लेता है।

देखें: रूपक

इफिसियों 6:13 (#2)

"इसलिए"

यह संयोजक शब्द, **इसलिए** कारण-परिणाम सम्बन्ध के परिणाम को परिचित कराता है। कारण यह है कि हम दुष्टता की आत्मिक शक्तियों के विरुद्ध युद्ध में हैं। परिणाम यह है कि हमें परमेश्वर के सब हथियार बाँध लेना आवश्यक है। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 6:13 (#3)

"कि तुम बुरे दिन में सामना कर सको"

"शब्द **स्थिर रहो** सफलतापूर्वक किसी का विरोध करने का अर्थ प्रकट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जिससे कि जब बुराई तुम पर वार करे तो तुम उसका विरोध करने में सक्षम हो सको"

देखें: रूपक

इफिसियों 6:13 (#4)

"कि तुम" - "सामना कर सको"

विश्वासियों को जिसके प्रति स्थिर रहना है, उसका विशेष वर्णन करना सहायक होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जिससे कि तुम शैतान के वारों का सफलतापूर्वक सामना कर पाओ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 6:13 (#5)

"कि"

यह संयोजक शब्द, **इसलिए** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। परमेश्वर के सब हथियार बांध लेने का लक्ष्य या उद्देश्य है कि अन्धकार की आत्मिक शक्तियों के आक्रमण का सफलतापूर्वक सामना करने में स्थिर रह पाएँ।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 6:14 (#1)

"इसलिए" - "कसकर," - "झिलम"

"यहाँ शब्द **स्थिर** सही और सच्चे और सफलतापूर्वक उस स्थिति का सामना करने वाली शक्तियों के विरूद्ध एक स्थिरता लाने का प्रतिनिधित्व करता है जो उस स्थिति में विश्वासियों को समझौता करने की कोशिश करती हैं। देखें कि आपने **स्थिर रहो** का अनुवाद इफिसियों 6:13 में कैसे किया है। ""अत: बुराई का विरोध करो"

देखें: रूपक

इफिसियों 6:14 (#2)

"इसलिए" - "झिलम"

यह संयोजक शब्द, **इसलिए** कारण-परिणाम के संबम्ध के परिणाम को परिचित कराता है। कारण यह है कि हम विश्वासियों ने अपने आत्मिक हथियार बांध लिए हैं। परिणाम यह है कि हम दुष्टता की आत्मिक शक्तियों का डट कर सामना करेंगे। अपनी भाषा में ऐसी उक्ति काम में लें जो कारण को परिणाम से जोड़ती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

इफिसियों 6:14 (#3)

"सत्य से अपनी कमर" - "पहनकर"

यह एक रूपक है, जिसमें सत्य की तुलना सैनिक के कटिबंध से की गई है। सत्य विश्वासी के लिए सब कुछ ठीक वैसे ही थामे रहता है जैसे सैनिक का कटिबंध उसके सब वस्त्रों को एक साथ थामे रहता है। देखें यूएसटी

देखें: रूपक

इफिसियों 6:14 (#4)

"सत्य से"

सत्य भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो सत्य है"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:14 (#5)

"इसलिए" - "धार्मिकता की झिलम"

इस रूपक में, धार्मिकता की तुलना सैनिक की झिलम से की गई है। जिस प्रकार सैनिक झिलम पहन कर शत्रु के वार से अपनी रक्षा करते हैं, उसी प्रकार विश्वासियों को धार्मिकता का व्यवहार करना है कि स्वयं को आत्मिक वार से बचा पाएँ। देखें यूएसटी

देखें: रूपक

इफिसियों 6:14 (#6)

"धार्मिकता की"

धार्मिकता भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "उचित जीवन शैली"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:15 (#1)

"पाँवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते पहनकर"

इस रूपक में, शान्ति के सुसमाचार की तुलना सैनिक के जूतों से की गई है। जैसे सैनिक मजबूती से खड़े रहने के लिए दृढ जूते पहनता है कि वह पाँव जमा कर चल सके वरन् दूर-दूर तक जा सके, ठीक वैसे ही विश्वासी को शान्ति के सुसमाचार का ठोस ज्ञान होना आवश्यक है और परमेश्वर उसे प्रचार के लिए जहाँ भी भेजे वह वहाँ जाने के लिए तैयार रहे। देखें यूएसटी

देखें: रूपक

इफिसियों 6:15 (#2)

"मेल के"

शांति भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों और परमेश्वर के मध्य सब कुछ यथा उचित कर देना"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:16 (#1)

"और उन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर"

यह एक रूपक है, जिसमें विश्वास की तुलना सैनिक की ढाल से की गई है। सैनिक ढाल का उपयोग करके क्षत्रु के वार से स्वयं की रक्षा करता है, ठीक वैसे ही विश्वासी को परमेश्वर द्वारा दिए गए विश्वास का उपयोग अपनी सुरक्षा के लिए करना चाहिए जब शैतान वार करता है। देखें यूएसटी

देखें: रूपक

इफिसियों 6:16 (#2)

"विश्वास की"

विश्वास भाववाचक संज्ञा है जिसका अनुवाद क्रिया रूप में भी किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दर्शाता है कि तुम प्रभु में कितना विश्वास करते हो" देखें यूएसटी

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:16 (#3)

"दुष्ट के" - "जलते हुए तीरों को"

विश्वासी पर शैतान के आक्रमण वैसे ही होते हैं जैसे शत्रु द्वारा किसी सैनिक पर अग्निबाण चलाए जाते हैं।

देखें: रूपक

इफिसियों 6:17 (#1)

"उद्धार का टोप," - "का" - "ले लो"

परमेश्वर द्वारा दिया गया उद्धार विश्वासी के मन की रक्षा वैसे ही करता है जैसे टोप एक सैनिक के सिर की रक्षा करता है।

देखें: रूपक

इफिसियों 6:17 (#2)

"उद्धार का"

उद्धार भाववाचक संज्ञा है जिसका अनुवाद क्रिया रूप में भी किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उससे यह तथ्य प्रकट होता है कि परमेश्वर ने तुम्हारा उद्धार किया है" देखें यूएसटी

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:17 (#3)

"आत्मा की तलवार" - "परमेश्वर का वचन है"

इस रूपक में,परमेश्वर के संदेश की तुलना सैनिक की तलवार से की गई है। जैसे सैनिक तलवारों को चला कर अपने क्षत्रु से

युद्ध करते और उनको पराजित करते हैं, वैसे ही एक विश्वासी बाइबल में दिए गए परमेश्वर के सन्देश को शैतान से लड़ने के लिए काम में ले सकता है।

देखें: रूपक

इफिसियों 6:18 (#1)

"और हर समय और हर प्रकार से आत्मा में प्रार्थना" - "विनती" - "सब" - "किया करो"

“जब तुम प्रार्थना करो तब सदैव आत्मा में प्रार्थना करो और विशेष निवेदन रखो”

इफिसियों 6:18 (#2)

"कि"

"यह संयोजक उक्ति **इसी लिए** लक्ष्य या उद्देश्य को दर्शाती है। लक्ष्य वह है जिसका उल्लेख अभी-अभी किया गया है: कि सदैव आत्मा में प्रार्थना किया करो। ऐसा करने के लिए आवश्यक है कि विश्वासी सब पवित्र जनों के लिए विनती करने में जागरूक और यत्नशील रहें। वैकल्पिक अनुवाद:""इस कारण""या ""ऐसा करने के लिए""

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 6:18 (#3)

"और" - "करते रहो," - "जागते रहो" - "पवित्र लोगों के लिये लगातार विनती"

"**यत्न** यह शब्द भाववाचक संज्ञा है जिसका अनुवाद क्रिया रूप में किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जागरूक रहने में यत्नशील रहो, और परमेश्वर के सब पवित्र जनों के लिए प्रार्थना करो” या “लगातार सतर्क रह कर सब विश्वासियों के लिए प्रार्थना करो"" देखें यूएसटी

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:19 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nइस पत्र के समापन में, पौलुस अपने पाठकों से अपेक्षा करता है कि वे उसके सुसमाचार प्रचार में साहस के लिए प्रार्थना करें, जब तक कि वह बंदीगृह में है और वह कहता है कि उन्हें ढाढ़स बंधाने के लिए वह तुखिकुस को भेज रहा है।

इफिसियों 6:19 (#2)

"मुझे" - "ऐसा प्रबल वचन दिया जाए कि"

इसको कर्ताप्रधान रूप में भी व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “कि परमेश्वर मुझे अपना वचन दे” या “परमेश्वर मुझे अपना सन्देश दे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

इफिसियों 6:19 (#3)

"ऐसा" - "कि"

यह संयोजक उक्ति, **कि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। पौलुस के लिए विश्वासियों की प्रार्थना का लक्ष्य या उद्देश्य है कि वह साहसपूर्वक सुसमाचार सुनाने योग्य हो।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 6:19 (#4)

"बोलने के समय" - "मैं"

"यह बोलने के लिए एक लाक्षणिक प्रयोग है। वैकल्पिक अनुवाद: ""बोलना""

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 6:20 (#1)

"जिसके लिये मैं जंजीर से" - "राजदूत हूँ।" - "में"

जंजीरों में ये शब्द कैद में होने के लिए एक लाक्षणिक प्रयोग है। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसके कारण मैं अभी बंदीगृह में हूँ”

देखें: प्रतिन्यास

इफिसियों 6:20 (#2)

"जकड़ा हुआ" - "और यह भी कि मैं उसके विषय" - "जैसा मुझे चाहिए साहस से बोलूँ"

"शब्द **प्रार्थना** को पद 18 से समझा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रार्थना करो कि मैं जब भी सुसमाचार की शिक्षा दूँ, तो मैं यथासंभव साहस के साथ बोल पाऊँ"" या ""प्रार्थना करो कि मैं यथासंभव साहस के साथ सुसमाचार सुना पाऊँ""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

इफिसियों 6:20 (#3)

"जकड़ा हुआ"

यह संयोजक उक्ति,**जिसके लिए** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। पौलुस के लिए विश्वासियों द्वारा प्रार्थना का लक्ष्य या उद्देश्य है कि वह यद्यपि बंदीगृह में है, साहसपूर्वक ही सुसमाचार प्रचार कर पाए।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 6:20 (#4)

"उसके विषय"

उसके यह शब्द पद 19 में प्रयुक्त शब्द **वचन**का सन्दर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो तो आप "वचन" शब्द को दोहरा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे सन्देश में"

देखें: सर्वनाम

इफिसियों 6:21 (#1)

"कि"

यह संयोजक उक्ति, **कि** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। तुखिकुस को इफिसुस भेजने में पौलुस का लक्ष्य या उद्देश्य था कि इफिसुस के विश्वासियों को वह बताए कि पौलुस के साथ क्या हो रहा है।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 6:21 (#3)

"भाई"

पौलुस तुखिकुस के लिए इस प्रकार कहता है कि जैसे वह परमेश्वर के आत्मिक परिवार में सब विश्वासियों का भाई हो। वैकल्पिक अनुवाद: "सहविश्वासी"

देखें: रूपक

इफिसियों 6:22 (#1)

"वह तुम्हारे मनों को शान्ति दे"

"यहाँ शब्द **मनों** लोगों के भीतरी मनुष्यत्वों के लिए एक लाक्षणिक प्रयोग है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वह तुम को प्रोत्साहित करे""

देखें: बाइबिल की चित्रण — Body Parts and Human Qualities

इफिसियों 6:22 (#2)

"कि"

यह संयोजक उक्ति,**इसी लिए** लक्षित सम्बन्ध को परिचित कराता है। तुखिकुस को इफिसुस भेजने में पौलुस का लक्ष्य या उद्देश्य है कि उनके मानों को शान्ति दे और उनको बताए कि पौलुस और उसके साथियों के साथ क्या हो रहा है।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

इफिसियों 6:23 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nइफिसुस के विश्वासियों को लिखे अपने पत्र के समापन में पौलुस मसीह से प्रेम करने वाले सभी विश्वासियों को शांति और अनुग्रह की आशीष देता है।

इफिसियों 6:23 (#2)

"शान्ति"

शांति भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "शांति की आत्मा"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:23 (#3)

"भाइयों"

पौलुस विश्वासियों के लिए इस प्रकार कहता है कि मानो वे परमेश्वर के आत्मिक परिवार में अन्य सब विश्वासियों के भाई हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सहविश्वासी"

देखें: रूपक

इफिसियों 6:23 (#4)

"प्रेम मिले"

प्रेम भाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम सब एक दूसरे से प्रेम रखो"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:23 (#5)

"विश्वास सहित"

विश्वास भाववाचक संज्ञा है जिसका अनुवाद क्रिया रूप में भी किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तुम प्रभु में विश्वास करते हो"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:24 (#1)

"जो" - "अनुग्रह"

अनुग्रह भाववाचक संज्ञा है जिसका अनुवाद क्रिया रूप में भी किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अनुग्रह दर्शाए"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

इफिसियों 6:24 (#2)

"से अमर"

भ्रष्टताभाववाचक संज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस प्रकार कि कोई तुम्हें भ्रष्ट करने में सक्षम न होने पाए" या "इतना कि उनको उससे प्रेम करने में कोई भी रोकने न पाए" देखें यूएसटी

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ